भारत ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। बारबाडोस में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 57 दिनांक:30-06-2024 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

हरिद्वार में आज यानी शनिवार दोपहर को बारिश के बाद गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। नदी का जलस्तर बढ़ने से कई कारें नदी में बह गईं। लगातार बारिश के कारण शनिवार को सड़कों पर भारी पानी भर जाने से वाहन तैरते नजर आए।

टी -20 विश्व कप: भारत दूसरी बार बना विजेता

बारबाडोस (ईएमएस)। 20-20 विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से पराजित कर दिया। भारत के दिए 177 रन के टारगेट को दक्षिण अफ्रीका पूरा नहीं कर पाया और 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 169 रन ही बन सका। 16वें ओवर के बाद लग रहा था कि दक्षिण अफ्रीका वर्ल्ड चैंपियन बन जाएगा लेकिन अंतिम तीन ओवर में बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए मैच पलट दिया।177 रन के टारगेट का पीछा करने आए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रीजा हेंड्रिक्स को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर दिया। एडम मार्करम को अर्शदीप सिंह ने ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। दोनों ने चार-चार रन बनाए। लेकिन इसके बाद क्विंटन डि काक और ट्रिस्टन स्टब्स ने पारी संभाल ली। दोनों ने संभल कर खेला और स्कोर 70 रन तक ले गए। ट्रिस्टन स्टब्स को अक्षर पटेल ने बोल्ड कर दिया। उन्होंने 20 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की सहायता से 31 रन बनाए। क्विंटन डी कॉक 30 गेंद में 39 रन बनाकर अर्शदीप की गेंद पर कुलदीप यादव को कैच दे बैठे। डी कॉक ने चार चौके और एक छक्का लगाया। हेनरी क्लासेन को हार्दिक पांड्या ने ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। क्लासेन ने 26 गेंद में दो चौके और पांच छक्के की सहायता से 52 रन बनाए और भारत के हाथ से मैच छीन सा लिया। किंतु इसके बाद गेंदबाजी करने आए जसप्रीत बुमराह ने जॉनसन को बोल्ड कर दिया। अगले ओवर में अर्शदीप सिंह ने कसी हुई गेंदबाजी की और मात्र पांच रन दिए। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में 16 रन बनाने थे। अंतिम ओवर की पहली गेंद पर हार्दिक पांड्या ने डेविड मिलर को जैसे ही आउट किया भारत की जीत सुनिश्चित हो गई। पंड्या ने रबाडा को भी पवेलियन भेजा और दक्षिण अफ्रीका के मुंह से जीत छीन ली।

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 176 रन बनाए। टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। लेकिन कप्तान रोहित शर्मा पांच गेंद में दो चौके की सहायता से 9 रन बनाकर केशव महाराज की गेंद पर क्लासेन को कैच दे बैठे। दूसरे छोर पर आए ऋषभ पंत बगैर कोई रन बनाए केशव महाराज की गेंद पर क्विंटन डि काक द्वारा लपक लिए गए। सूर्यकुमार यादव भी ज्यादा नहीं चले और रबाडा की गेंद पर हेनरिक क्लासेन को कैच दे बैठे। इसके बाद विराट कोहली और अक्षर पटेल ने पारी संभाली। अक्षर पटेल ने 31 गेंद में 47 रन की तेज पारी खेली। लेकिन क्विंटन डि काक ने उन्हें रन आउट कर दिया। उन्होंने एक चौका और चार छक्के लगाए। विराट कोहली ने 59 गेंद में छह चौके और दो छक्के की सहायता से 76 रन बनाए। उन्हें मार्को येनसन की गेंद पर रबाडा ने कैच कर लिया। निचले क्रम में शिवम दुबे ने 16 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की सहायता से 27 रन का योगदान दिया। वह एनरिक की गेंद पर डेविड मिलर द्वारा लपक लिए गए। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से केशव महाराज और एनरिक नार्तजे ने दो-दो विकेट लिए। मार्को येनसन व कागिसो रबाडा को एक-एक विकेट मिला।

सोनिया गांधी का पीएम मोदी पर हमला, सहमति की बात करते है........टकराव के रास्ते पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। 18वीं लोकसभा का गठन हो चुका है। इस बार जहां संसद में सत्ता पक्ष पहले से कुछ कमजोर हुआ है, वहीं विपक्ष मजबूत हुआ है। अब इसका असर लोकसभा सत्र के दौरान दिख रहा है। हालांकि मोदी सरकार के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष पर हमलावर हैं। लेकिन विपक्ष भी नीट पेपर लीक पर मोदी सरकार की घेराबंदी में जुटा है। पीएम मोदी के आपातकाल के जिक्र के बाद फिर राजनीतिक भूचाल आ गया है। इस बीच कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लेख लिखकर मोदी सरकार पर जमकर सवाल उठाया है।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने लेख में कहा कि '2024 के चुनाव में पीएम की व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार हुई है। पीएम मोदी सहमति की बात करते हैं लेकिन टकराव का रास्ता अख्तियार करते हैं। सोनिया गांधी ने लिखा है मोदी सरकार की ओर से जब विपक्ष से स्पीकर चुनाव में समर्थन की मांग की गई, तब परंपरा के मुताबिक उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को मिलना चाहिए, लेकिन सरकार ने हमारी मांग नहीं मानी। बल्कि पीएम मोदी ने इमरजेंसी का जिक्र कर आश्चर्यजनक रूप से स्पीकर ने भी ध्यान भटकाने के लिए यही किया।

सोनिया ने अपने लेख में लिखा नीट घोटाले पर, जिसने हमारे लाखों युवाओं के जीवन पर कहर बरपाया है, केंद्रीय शिक्षा मंत्री की तत्काल प्रतिक्रिया यह थी कि जो कुछ हुआ है, उसकी गंभीरता को नकार दिया जाए। पीएम मोदी जो अपनी 'परीक्षा पे चर्चा' करते हैं, वे देश भर में इतने सारे परिवारों को तबाह करने वाली लीक पर स्पष्ट रूप से चुप हैं। उन्होंने लिखा इस बीच, भारत के अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और धमकी का अभियान एक बार फिर तेज हो गया है। सोनिया गांधी ने लेख में लिखा मणिपुर जलता रहा लेकिन प्रधानमंत्री वहां जाने का समय नहीं निकाल सके। प्रधानमंत्री के 400 पार के नारे को जनता ने रिजेक्ट किया इस पर उन्हें आत्म विश्लेषण करना चाहिए।

गंगा में बहकर हरकी पैड़ी पहुंची चार लग्जरी गाड़ियां

हरिद्वार: तराखंड में बारिश का दौर जारी है। बारिश के बीच चार लग्जरी गाड़ियां गंगा में बहकर हरकी पैड़ी पहुंच गईं। अनुमान लगाया जा रहा है कि यह चार गाड़ियां किसी पार्किंग में खड़ी होंगी जहां से गाड़ियां बहकर हरकी पैड़ी पहुंची है। मानसून की दस्तक के साथ ही प्रदेशभर में बारिश शुरू हो गई है। इस दौरान चार लग्जरी गाड़ियां गंगा में बहकर हरकी पैड़ी पहुंच गईं। अनुमान लगाया जा रहा है कि यह चार गाड़ियां किसी पार्किंग में खड़ी होंगी जहां से गाड़ियां बहकर हरकी पैड़ी पहुंची है। हरकी पैड़ी में बहकर आई गाड़ियों को देख स्थानीय तैराक इन गाड़ियों की छत पर बैठ गए। इस दौरान युवकों ने खूब मस्ती की।

लद्दाख में टैंक नदी में फंसा, 5 जवान की मौत

-एलएसी के पास रात एक बजे नदी में पानी बढ़ने से हादसा हुआ

लेह (ईएमएस)। लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में नदी पार करने के टैंक अभ्यास के दौरान एक टी-72 टैंक हादसे का शिकार हो गया। जब टैंक नदी पार कर रहा था, तब पानी का लेवल अचानक बढ़ गया। इस हादसे में एक जेसीओ समेत पांच जवानों की मौत हो गई।

घटना रात 1 बजे हुई।। सभी पांचों शव बरामद कर लिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हादसा चुशूल से 148 किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास हुआ। हादसे का शिकार हुए जवानों के नाम आरआईएस एमआर के रेड्डी, डीएफआर भूपेंद्र नेगी, एलडी अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान (6255 एफडी वर्कशॉप), सीएफएन नागराज पी (एलआरडब्ल्यू) हैं।

तीन के बैठने की जगह, 5 जवान बैठे थे

आमतौर पर इस टैंक पर कमांडर, एक गनर और एक ड्राइवर होता है। प्रैक्टिस के दौरान इसमें 5 जवान सवार थे। रिपोट्र्स में यह दावा किया जा रहा है कि नदी के ऊपरी इलाके में बारिश के चलते पानी बढ़ गया। रात होने के चलते जवानों को इसका पता नहीं चल सका। टी-72 टैंक 5 मीटर (16.4 फीट) गहरी नदियों को पार करने की क्षमता रखता है। यह एक छोटे डायामीटर वाले स्नॉर्कल की मदद से नदी पार करता है। इमरजेंसी के लिए इस पर सवार क्रू के सभी सदस्यों के रीब्रीदर दिया जाता है। अगर टैंक का इंजन पानी के भीतर बंद हो जाता है, तो इसे 6 सेकंड के भीतर फिर से चालू करना होता है। ऐसा नहीं करने पर कम दबाव होने के कारण टी-72 के इंजन में पानी भर जाता है।

'मेरा आखिरी टी20 वर्ल्ड कप और टी20मैच', विराट कोहली ने फाइनल के बाद कर दी संन्यास की घोषणा

नई दिल्ली। विराट कोहली ने भारत की टी20 वर्ल्ड कप-2024 की खिताबी जीत के बाद बड़ा ऐलान कर दिया। विराट कोहली ने कहा है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला गया फाइनल मैच उनके टी20 करियर का आखिरि मैच है और ये उनका आखिरी टी20 वर्ल्ड कप है।

विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए फाइनल में 76 रनों की पारी खेली। पूरे टूर्नामेंट में उनका बल्ला शांत था लेकिन फाइनल में कोहली ने अहम पारी खेली और भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। उनकी इस पारी के लिए कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया है। प्लेयर ऑफ दे मैच लेते समय ही कोहली ने संन्यास का ऐलान किया।

कोहली ने कहा, ठये मेरा आखिरी टी20 वर्ल्ड कप है। ये खिताबी वो चीज है जो हम हासिल करना चाहते थे। आपको लगता है कि आप रन नहीं बना सकते और फिर ऐसा हो जाता है। भगवान महान है। ये मेरा भारत के लिए खेला गया आखिरी टी20 मैच है। हम विश्व कप जीतना चाहते थे, ये सभी को पता था। ये ऐसी चीज नहीं है कि अगर हम हार जाते तो मैं संन्यास का फैसला नहीं करता। ये अगली पीढ़ी के आने के समय है। ये काफी लंबा इंतजार था, हम आईसीसी टूर्नामेंट का इंतजार कर रहे थे।

टीम इंडिया के साथ कोहली ने अपना पहला टी20 मैच 12 जून 2010 को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेला था। कोहली ने भारत के लिए कुल 125 मैच खेले। कोहली ने 48.69 की औसत और 137.04 की स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और 38 अर्धशतक जमाए।

टी20 विश्वकप में भारत की एतिहासिक जीत के बाद राजधानी दिल्ली में भी लोगों में खूब उत्साह नजर आया। राजधानी में लोगों ने फुलझड़ियां और पटाखे जलाकर जमकर जश्नन मनाया। इसके वीडियो भी सामने आए हैं। इनमें लोगों को उत्साह से नाचते हुए भी देखा जा सकता है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 7 रनों से हराकर दूसरी बार टी-20 विश्व कप ट्रॉफी जीती। जम्मू में भारतीय क्रिकेट टीम के प्रशंसकों ने भारत की जीत का जश्न मनाया। इस दौरान लोगों ने भारत माता की जय के नारे भी लगाए।

केजरीवाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजे गए

-सीबीआई ने दिल्ली सीएम की कस्टडी नहीं मांगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को 14 दिन (12 जुलाई) की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दिल्ली शराब नीति केस में सीबीआई ने उन्हें 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। 3 दिन की कस्टडी के बाद आज उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था।

शराब नीति केस में सीबीआई केजरीवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की जांच कर रही है। सीबीआई ने सुनवाई के दौरान कोर्ट से कहा कि उन्हें अब केजरीवाल की कस्टडी की जरूरत नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वे पहले से ही मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ में हैं।

केजरीवाल पर दो मामले दर्ज हैं। पहला ईडी का, जिसमें उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। दूसरा सीबीआई का, जिसे शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर दर्ज किया गया। इस केस में 26 जून को केजरीवाल को दोबारा गिरफ्तार किया है।

यह केस दिल्ली एलजी वीके सक्सेना की शिकायत पर दर्ज हुआ था। दोनों मामले अलग-अलग दर्ज किए गए हैं, इसलिए इनमें गिरफ्तारी भी अलग-अलग हुई है। उधर, शनिवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पार्टी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। इनकी मांग है कि केजरीवाल को रिहा किया जाए।

अरुणाचल में लगातार बारिश से भूस्खलन, सड़क संपर्क टूटा

ईटानगर,(ईएमएस)। अरुणाचल प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश से भूस्खलन के बाद सड़कों से संपर्क टूट गया है। पश्चिम सियांग जिले के आलो से शियोमी जिले में मेचुखा तक की एक प्रमुख सड़क रोइंग और पेने गांव के बीच क्षतिग्रस्त हो गई।

शियोमी जिला सूचना और जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। सीमा सड़क संगठन ने सड़क से मलबा हटाने का काम शुरु कर दिया है और मशीनों की मदद ली जा रही। यदि मौसम सही रहा तो शनिवार शाम तक हल्के मोटर वाहनों के लिए सड़क को खोल दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सियांग जिले के तारक गांव के पास पासीघाट-पंगिन-आलो सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके चलते कई वाहन फंस गए हैं। ईटानगर में जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय राजमार्ग-415 के किनारे अवैध निर्माण के खिलाफ एक अभियान चलाया है। इन अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया है जो नालियों को अवरुद्ध कर रहे थे।

बम बम भोले के जयकारे के साथ शुरु अमरनाथ यात्रा.....पहले जत्थे ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

यात्रियों की सुरक्षा में 2 लाख से ज्यादा सैनिक तैनात

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमरनाथ यात्रा के लिए निकला तीर्थयात्रियों का पहला जत्था पवित्र गुफा तक पहुंच गया है। बाबा बर्फानी के दर्शन भी हो गए हैं। अमरनाथ यात्रा के शुरु होते ही बम बम भोले के जयकारे पहलगाम और बालटाल में सुनाई दे रहे है। इस यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का पहला जत्था शुक्रवार को कश्मीर पहुंचा था।

भोलेनाथ के भक्तों का पहला जत्था अमरनाथ पहुंच चुका है और उन्हें भगवान शिव के दर्शन भी मिल चुके हैं। बाबा बर्फानी की इस साल की पहली तस्वीरें भी सामने आई हैं। इन तस्वीरों में भक्तों को भोलेनाथ के दर्शन करते देखा जा सकता है। वहीं, बड़ी संख्या में यात्री रास्ते में हैं और दर्शन के लिए अमरनाथ गुफा की ओर बढ़ रहे हैं।

पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए यात्रियों का पहला जत्था शुक्रवार सुबह रवाना कर दिया गया था। यात्रियों का पहला जत्था जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से सुबह 4 बजे पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हुआ था। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू से झंडा दिखाकर तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया। इसके पहले एलजी मनोज सिन्हा ने मंदिर में पूजा-अर्चना भी की थी।

मौसम विभाग ने 28 जून से 10 जुलाई तक बारिश की संभावना जाहिर की है। इसके बाद पूरे आसार हैं कि पहले सप्ताह यात्रा बारिश के बीच जारी रहेगी। 14 हजार 500 फुट की ऊंचाई पर बाबा बर्फानी की गुफा तक पहुंचने के दो रास्ते हैं। तीर्थयात्रियों की सेवा के लिए पूरे रास्ते में 135 से ज्यादा लंगर सेवा के लिए लगाए गए हैं।

2 लाख से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात

यात्रा पर आतंकी हमले के खतरे को देखकर 2 लाख से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। हर रोज 15 हजार यात्रियों को बाबा बर्फानी के दर्शन करने की अनुमति है। यह यात्रा श्रावण पूर्णिमा यानी राखी पूर्णिमा तक चलेगी। यात्रा को ध्यान में रखते हुए महादेव के दरबार को काफी अच्छे से सजाया गया है। यात्रियों को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो, इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। यात्रियों के खाने-पीने से लेकर अन्य सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। बेस कैंप पर यात्रियों के लिए बिस्तर से लेकर उनकी सुरक्षा की भी पूरी तैयारी की गई।

पेपर लीक मामलाः सीबीआई आरोपियों से पूछताछ करने बेउर जेल पहुंची

पटना,(ईएमएस)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने 13 आरोपियों से पूछताछ की है। पूछताछ के लिए सीबीआई बेउर जेल पहुंची। सभी आरोपियों के वकील भी बेउर जेल पहुंचे गए। आरोपियों के वकील की मौजूदगी में ही पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि नीट पेपर लीक मामले में यह अब तक की सबसे बड़ी पूछताछ है। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई देश के कई राज्यों में जाकर संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट....4 की मौत

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु के विरुधुनगर में एक पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट के बाद 4 श्रमिकों की मौत हुई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि विस्फोट और आग लगने का कारण पटाखा बनाने में रासायनिक पदार्थों का गलत तरीके से इस्तेमाल होना बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इकाई के नजदीक मौजूद एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने बताया कि पटाखा निर्माण इकाई की इमारत को भी इस घटना में नुकसान पहुंचा है।

केंद्रीय टीम को आस्तीन के सांपों को पहचानना होगा : लखनपाल शर्मा

सहारनपुर (ईएमएस)। यूपी की सहारनपुर सीट पर भारतीय जनता पार्टी को पार्टी को मिली करारी हार के बाद आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा के समर्थक सोशल मीडिया पर पहले ही आरोप लगा रहे थे कि जयचंदों, मीर जाफर और शिखंडियों के कारण भाजपा की हार हुई है।

अब फिर शर्मा ने अपने विरोधियों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय टीम को आस्तीन के सांपों को भी पहचानना होगा। पूर्व सांसद के बयान ने सहारनपुर का सियासी माहौल गरमा दिया है और भाजपा की आपसी कलह सतह पर आ गई है।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में शर्मा गाड़ी पर खड़े होकर भाषण देते दिख रहे हैं।

वीडियो में पूर्व सांसद शर्मा कह रहे हैं कि साथियों एक बात कहना चाहता हूं कि भगवान परशुराम जी ने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ कार्रवाई की थी। उन्होंने कहा कि समाज के साथ अत्याचार, गलत और प्रहार करेगा, उन्हें मुहतोड़ जवाब देने का काम समाज करेगा।

इसके बाद शर्मा कहते हैं कि सर्व समाज का हमें आशीर्वाद और सहयोग मिला। चार लाख पिच्चासी हजार के आस-पास वोट मिला। जब सभी देते है, तभी इतना वोट मिलता है। हम सबका आभार व्यक्त करते हैं। राघव ने कहा कि लेकिन जयचंद और आस्तीन के सांपों को भी पहचानना भी जरूरी है। ये घर में रहकर नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं।

पूर्व सांसद ने कहा कि इस तरह के लोगों से सावधान रहना, क्योंकि ब्राह्मण समाज ने हमेशा सर्व समाज को दिशा दी है। सर्व समाज को जोड़कर रास्ता दिखाने का काम किया है। देश को चाहे आजादी दिलाने की बात रही हो चाहे शासन चलाने की बात रही हो। हर तरह से ब्राह्मण समाज का योगदान अतुलनीय है, इसलिए इस योगदान के महत्व और ताकत को हमें संजोकर रखना है।

कांग्रेस का आरोप, क्या नकल, कोचिंग और शिक्षा माफिया को बचाना चाहती है मोदी सरकार

लखनऊ (ईएमएस)। लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक और एनडीए सरकार के बीच नीट विवाद को लेकर तीखी नोकझोंक देखने में मिली। इस पर कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा के लोग सदन की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। लोकसभा में नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए सभी विधायी गतिविधियों को स्थगित करने की कांग्रेस की मांग के कारण सदन में हंगामा हुआ, जिसके कारण स्पीकर ओम बिरला को कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि भाजपा के लोग सदन की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। अगर राहुल गांधी नीट पर एनडीए सरकार के सहयोग की बात करते हैं, तो क्या ये अराजकता है, क्या उनका माइक बंद किया जाना चाहिए। 24 लाख बच्चों के भविष्य की बात है। करोड़ों परिवार उनके साथ जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि क्या मोदी सरकार नकल, कोचिंग और शिक्षा माफिया को बचाना चाहती है। क्या संसद में नीट का मुद्दा उठाना गलत है। छात्रों की आवाज उठाना क्या गलत है। अगर ये अराजकता हैं, तब राहुल गांधी इस तरह की अराजकता बार-बार करने वाले है। कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा, सत्ता पक्ष को समझना चाहिए कि अराजकता क्या होती है। अराजकता माइक बंद करना है। अराजकता अभिमान से बात करना है और प्रतिपक्ष को सम्मान न देना है। अराजकता नीट के बच्चों के साथ खिलवाड़ करना है।

भाजपा सांसद डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी की ओर से नेहरू के मुकाबले पीएम मोदी को अतुलनीय पीएम बताने पर राजपूत ने कहा कि सुधांशु पीएम मोदी की चाटुकारिता नहीं करेंगे, तब किसी की करेंगे। वे मोदी जी की कृपा पर हैं, यही लोकतंत्र का दुर्भाग्य है। अगर आप ऐसी बातें करते हैं, तब योग्यता के दम पर नहीं, चाटुकारिता से राज्यसभा की सीट पाते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, नेहरू ने देश को स्वावलंबी बनाया। उन्होंने आईआईटी की स्थापना की। इसरो की स्थापना की। तमाम पीएसयू बनाए। किस बात की तुलना कर रहे हैं। नेहरू ने देश के संसाधन बनाए और पीएम मोदी ने इन संसाधन को बेचा। ओपी राजभर का वीडियो सामने आने के बाद राजपूत ने कहा कि उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर जेल में डालना चाहिए। अगर योगी सरकार ऐसा नहीं करती हैं, तब ये माना जाएगा कि सरकार भी इसमें शामिल है।

राम मंदिर में पुजारी नहीं करेंगे एंड्रायड फोन का इस्तेमाल, 1 जुलाई से कई नए नियम लागू

अयोध्या(ईएमएस)। एक जुलाई से रामलला की सेवा पांच पुजारियों की जगह 25 पुजारी करेंगे। पुजारियों के रोस्टर की घोषणा रविवार को होगी। इस दौरान सभी प्रशिक्षित 20 पुजारियों को नियुक्ति पत्र भी दिया जाएगा। साथ ही उनके प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र और उनकी सेवा के बदले वेतन निर्धारण की भी जानकारी दी जाएगी। नई व्यवस्थाओं में प्रमुख व्यवस्था यह होगी कि पुजारी राम मंदिर में एंड्रायड फोन नहीं रखेंगे। जरूरत पर पुजारी बातचीत के लिए कीपैड वाले मोबाइल का ही उपयोग करेंगे।यह फैसला वरिष्ठ और कनिष्ठ सभी पुजारियों पर लागू रहेगा।

इसी के लिए धार्मिक न्यास समिति की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष महंत गोविंद देव गिरि, तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय, दिल्ली के प्रोफेसर जयकांत मिश्र, न्यासी डा. अनिल मिश्र, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव, रामकथा कुंज के पीठाधीश्वर डा. रामानंद दास महाराज, उनके उत्तराधिकारी महंत सत्यनारायण दास व हनुमत निवास महंत आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज शामिल रहेंगे। यह बैठक रामकोट स्थित नवीन आवासीय कार्यालय में प्रस्तावित है।

केरल में मष्तिष्क खाने वाले अमीबा से संक्रमण का तीसरा मामला

कोझिकोड (ईएमएस)। केरल में मष्तिष्क खाने वाले अमीबा से संक्रमण का तीसरा मामला सामने आया है। यहाँ कोझिकोड जिले में एक 12 वर्षीय किशोर दूषित जल में पाए जाने वाले अमीबा से होने वाले दुर्लभ मस्तिष्क संक्रमण से पीड़ित है. एक निजी अस्पताल से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी. केरल में मई के बाद से घातक संक्रमण का यह तीसरा मामला है.

कोझिकोड के 12 वर्षीय लड़के को सोमवार को यहां बेबी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया. उसका इलाज कर रहे चिकित्सकों में से एक ने कहा कि संक्रमण की पहचान कर ली गई थी और उसी दिन इलाज शुरू हो गया था. चिकित्सक ने कहा, ''इस बीमारी से मृत्यु दर 95-100 प्रतिशत है. लड़के की हालत गंभीर है.

यह अमीबा दूषित जल में पाया जाता है और दूषित जल में नहाने या गोताखोरी करने से इसके संपर्क में आने का खतरा होता है.

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने संजय झा

पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में अहम फैसला

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली में जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। इस बैठक में संजय झा को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पार्टी के सभी शीर्ष नेता मौजूद रहे। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। दिल्ली के कॉस्टिट्यूशनल क्लब में हुई जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव खुद सीएम नीतीश कुमार ने पेश किया। कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संजय झा को बधाई दी।

बिहार के मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके के अरड़िया गांव के रहने वाले हैं। संजय झा जदयू में आने से पहले भाजपा में थे। ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखने वाले संजय झा मिथिलांचल में जदयू के बड़े नेता माने जाते हैं। संजय झा राज्यसभा सांसद और पार्टी के संसदीय दल के नेता हैं। संजय झा ने साल 2014 में दरभंगा से लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वह एमएलसी बने और 2014 से 2024 तक बिहार सरकार में मंत्री रहे। बैठक के बाद जदयू नेता अशोक चौधरी ने बताया कि संगठन के साथ ही भाजपा के साथ गठबंधन की जिम्मेदारी संजय झा को सौंपी गई है। संजय झा के भाजपा के साथ अच्छे संबंध हैं, ऐसे में पार्टी की कोशिश है कि संजय झा के जरिए भाजपा से विधानसभा चुनाव में बेहतर शर्तों के साथ समझौता किया जाए। संजय झा से पहले जॉर्ज फर्नांडिस, शरद यादव, नीतीश कुमार, आरसीपी सिंह, ललन सिंह जदयू अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने पर चर्चा हुई।

सरकार की एयरलाइंस को चेतावनी, कहा- न बढ़ाएं किराया

नई दिल्ली (ईएमएस)।बारिश की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुए बड़े हादसे के बाद सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइंस कंपनियों को ये सुनिश्चित करने को कहा है कि दिल्ली से उड़ान भरने या यहां आने वाले उड़ानों के हवाई किरायों में कोई असामान्य बढ़ोतरी ना हो। एयरपोर्ट के टी-1 पर इंडिगो और स्पाइसजेट की घरेलू फ्लाइट्स का संचालन होता है। टी-1 के बंद होने के कारण कई फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं और परिचालन को अस्थायी रूप से टी-2 और टी-3 पर स्थानांतरित कर दिया गया है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि विमानन कंपनियों को सलाह दी गई है कि एयरपोर्ट पर हुए इस हादसे के चलते उड़ानों के रद्द करने या रीशेडयूल करने पर यात्रियों से कोई जुर्माना नहीं वसूला जाएगा। मंत्रालय ने कहा ?कि दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद सभी विमानन कंपनियों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली से आने-जाने वाली फ्लाइट्स के किराए में किसी भी असामान्य वृद्धि पर नजर रखें और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करें। कैंसिल की गई फ्लाइट्स के रिफंड की निगरानी करने या यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा रूट टिकट प्रदान करने के लिए एक वॉर रूम स्थापित किया जाएगा। सभी रिफंड की प्र?क्रिया 7 दिन के भीतर शुरु हो जाएगी।

संविधान का मुददा....दलित, ओबीसी और शेडयूल कास्ट वोटर छिटका, विधायकों की निष्क्रियता से हुआ नुकसान

यूपी में करारी हार पर रिपोर्ट तैयार

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में उत्तरप्रदेश में मिली करारी शिकस्त को लेकर बीजेपी की कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन सीटों का विश्लेषण किया गया जहां पार्टी को शिकस्त मिली है।

सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट में अफसरशाही के द्वारा जनता व कार्यकर्ताओं के साथ किया व्यवहार और अफसरों के भीतरघात करने का जिक्र भी है।

विधायकों की निष्क्रियता से हुआ नुकसान

रिपोर्ट में कहा गया है कि विधानसभाओं में विधायकों की निष्क्रियता से पार्टी को नुकसान हुआ। इतना ही नहीं कई विधायक अपने क्षेत्र के लोकसभा कैंडिडेट के खिलाफ थे और भाजपा को इन सीटों पर भीतरघात से नुकसान हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि संविधान के मुद्दे पर शेडयूल कास्ट वोटर अलग हुआ, ओबीसी वोटर छिटक गया और बीजेपी की करारी हार हो गई।

संविधान के मुद्दे पर दलित वोट हुआ दूर

भाजपा के पक्ष में मतदान कम होने का कारण बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से नाराजगी भी रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि तमाम कोशिशों के बाद भी ओबीसी वोट बैंक के बिखराव को रोका नहीं जा सका और दलित वोट संविधान के मुद्दे पर दूर होता गया। यह रिपोर्ट तीन चरणों में तैयार हुई है।

बता दें कि लोकसभा चुनाव के दौरान प्रदेश की कुल 80 सीटों में से सपा ने 37 पर जीत दर्ज की थी। जबकि, बीजेपी को 33 सीटें ही मिल सकी थी। वहीं, कांग्रेस को 6 सीट, रालोद को 2 सीट, आजाद समाज पार्टी और अपना दल (एस) को एक-एक सीट हासिल हुई थी। वहीं मायावती की पार्टी बसपा अपना खाता भी नहीं खोल सकी।

जन हितैषी

हाईकोर्ट से जमानत पर छूटे हैं, निर्दोष साबित नहीं हुए हेमंत सोरेन

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जमानत देते हुए हाईकोर्ट ने कहा, अदालत में जो दस्तावेज ईड़ी द्वारा पेश किए गए हैं, उन दस्तावेजों से कहीं पर भी हेमंत सोरेन दोषी प्रमाणित नहीं होते हैं। भूमि अधिग्रहण और कब्जे के मामले में हेमंत सोरेन की कोई भागीदारी हाईकोर्ट को नहीं मिली। हाईकोर्ट ने जमानत के फैसले में कहा, याचिकाकर्ता को जमानत देने से कोई हानि होने वाली नहीं है। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विवादित 8l.86 एकड़ भूमि के अधिग्रहण, कब्जे और आय से जुड़े होने का कोई प्रमाण ईड़ी प्रस्तुत नहीं कर पाई। 2010 में जब उक्त भूमि का अधिग्रहण किया गया था। उस समय हेमंत सोरेन की सरकार भी नहीं थी। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा, ईड़ी ने ऐसा कोई भी प्रमाण पेश नहीं किया, जिससे यह साबित हो, कि याचिकाकर्ता हेमंत सोरेन ने जमीन पर कब्जा किया है। उन्हें कोई आय प्राप्त हुई हो। झारखंड हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया पीएमएलए एक्ट के तहत कोई मामला नहीं होने के कारण, हेमंत सोरेन को जमानत दी है। लगभग 5 महीने हेमंत सोरेन जेल में बंद रहे। उन्हें मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ा। समय-समय पर ईड़ी के समन का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री होते हुए भी उन्हें बार-बार हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दौड़ना पड़ा। लाखों रुपए उनके और करोड़ों रुपए सरकार के खर्च हुए। कई महीनों तक हेमंत सोरेन को भ्रष्टाचारी और दोषी बताया गया। लोकसभा चुनाव में उन्हें चुनाव प्रचार करने से रोका गया। एक मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें काम करने से रोका गया। जनता ने उन्हें विधायक और मुख्यमंत्री के रूप में चुना था। वह अपने दायित्वों को पूरा नहीं कर पाए। ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के महीनो चक्कर लगाने के बाद भी हेमंत सोरेन जमानत पर वापस आए हैं। हाईकोर्ट ने उन्हें पीएमएलए कानून से निर्दोष घोषित नहीं किया है। पीएमएलए कानून का यह मुकदमा कितने साल तक चलेगा। भगवान ही इसका मालिक है। भारतीय जनता पार्टी और उनके विपक्षी राजनेता हमेशा उन्हें जमानत पर छूटे अपराधी के तौर पर उन पर हमला करते रहेंगे। व्यक्तिगत, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता रहेगा। जमानत के मामले में हेमंत सोरेन ने ट्रायल कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के कई चक्कर जमानत पाने में लगा दिए हैं। प्रथम दृष्टया कोई अपराध प्रमाणित नहीं होने के बाद भी उन्हें वर्षों मुकदमा लड़ना पड़ेगा। हेमंत सोरेन राजनीतिक और आर्थिक रूप से समर्थ हैं। मुकदमा लड़ने की उनकी हैसियत भी है। आम आदमी अपना बचाव किस तरह से जांच एजेंसियों के उत्पीड़न से कर पाएगा? जब संविधान ने नागरिकों को जमानत का अधिकार दिया हुआ है। जेल को अपवाद माना गया है। पिछले कुछ वर्षों में जांच एजेंसियों द्वारा पीएमएलए, यूपीए कानून के तहत लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया जाता है। कई वर्षों और कई महीनो तक उन्हें जेल में बंद रखा जाता है। दोनों कानून में न्यायालय द्वारा जमानत नहीं दी जाती है। कई वर्षों तक जांच एजेंसी जांच पूर्ण नहीं करती है। आरोपियों को बिचाराधीन कैदी के रूप में जेल में लंबे समय तक बंद रखा जाता है। मीडिया ट्रायल में आरोपियों की सामाजिक, राजनीतिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचती है। आर्थिक नुकसान अलग होता है। पूरे परिवार पर इसका असर पड़ता है। इस तरह की कार्रवाई पर जब तक जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी। इसी तरह से कानून का दुरुपयोग होता रहेगा। सत्ता में बैठे हुए लोग यदि कानून का इस तरह से दुरुपयोग करेंगे। जो प्रमाणित भी हो रहा है। ऐसी स्थिति में जांच एजेंसी के अधिकारियों को जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। ताकि वह सत्ता में बैठे हुए राजनेताओं के दबाव में अधिकारों का दुरुपयोग ना कर पाएं। तभी भारतीय संविधान, भारतीय न्याय व्यवस्था, भारतीय सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को विश्वास योग्य बनाया जा सकता है।

लोकतंत्र और बेचारा बुद्दू बक्सा

मुझे इस बात पर सख्त ऐतराज है कि कांग्रेस भी भाजपा की तरह केमराप्रेमी होती जा रही है। कांग्रेस भूल जाती है की मोदी युग में चाहे संवैधानिक संस्थाएं हों या सरकारी कैमरे, केवल और केवल एक चेहरे को पहचानते है। उस चेहरे को जो अविनाशी है। अजेय है। अनंत है। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान सरकारी कैमरे ने किसका चेहरा कितनी बार दिखाया, ये कोई मुद्दा नहीं हो सकता। कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि कैमरा उसके नेता की और नहीं ताकता। इसके लिए अभी कांग्रेस को लम्बी प्रतीक्षा करना पड़ेगी।

दरअसल देश को कैमराजीवी प्रधानमंत्री 2014 में पहली मर्तबा मिला था। उसे हंसना,रोना,गाना,अभिनय करना सभी कुछ आता है। उसके पास स्वर्गवासी जय लालिता कि तरह सतरंगे परिधानों,जूतों-चप्पलों और सैंडिलों का अक्षय भण्डार है। ये सारी चीजे ही एक कैमरे की जरूरत होतीं हैं,भले ही फिर कैमरा सरकारी हो या गैर- सरकारी। चूंकि मै लम्बे आरसे तक कैमरे से बाबस्ता रहा हूँ, इसलिए कैमरे के बारे में कांग्रेस से ज्यादा जानता हूँ। मुझे पता है कि कैमरे को कौन से रंग और फ्रेम पसंद हैं और कौन से नहीं? कौन सी प्रकाश व्यवस्था में कैमरा अच्छे परिणाम देता है और कौन से में नही? मै जानता हूँ कि कैमरे के लिए कौन सा कौण सबसे अच्छा होता है और कौन सा नहीं? ये सब बातें आधी जिंदगी एक जींस पेण्ट और सफेद टीशर्ट पहनकर राजनीति करने वाले क्या जाने?

पिछले दस साल में कैमरा ही नहीं और भी जितने संवैधनिएक इंस्ट्रूमेंट हैं वे सत्तोन्मुख हो गए हैं। इसमें बुराई भी नहीं है। सूरज मुखी का पुष्प भी जिधर सूरज होता है उधर को मुंह करके खिलता है, फिर कैमरा तो कैमरा ठहरा। कैमरे और पालतू कुत्ते में ज्यादा फर्क नहीं होता, ये शायद कांग्रेस और कांग्रेस के नेताओं को पता नहीं है। विपक्ष के नए -नवेले नेता राहुल गांधी की तो शायद बिलकुल बह पता नहीं हो ! राहुल गांधी संसदीय अनुभव में भले माननीयों से ज्यादा वरिष्ठ हों लेकिन सत्तासुख भोगने में तो शून्य हैं। हमारे मित्र मेरी इस टिप्पणी पर भी उग्र कर सकते हैं, क्योंकि उनका दावा है कि राहुल गाँधी तो पैदा ही सोने-चाँदी की चम्मच मुंह में रखकर हुए थे। उनके दादी,दादी के पिता जी और खुद उनके पिता जी देश के प्रधानमंत्री रहे, इसलिए ऐसा कैसे हो सकता है की राहुल गाँधी ने सत्ता-सुख न भोगा हो?

बात कैमरे की हो रही थी। कैमरा, केंचुआ और कुत्ते की राशि एक है,स्वभाव एक है। तीनों स्वामिभक्त होते हैं, इसलिए इन तीनों से किसी दूसरे को कोई अपेक्षा नहीं करना चाहिए। ये केवल अपने स्वामी की कमानडनिर्देश .स्वीकार करते हैं। पिछले दस साल से ये तीनों यही कर रहे हैं और अगले दस साल तक शायद ऐसा ही करें। कांग्रेस की इस आपत्ति पर मुझे आपत्ति है कि बुद्धू बक्से के कैमरे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान माननीय को 75 बार और राहुल गांधी को सिर्फ 6 मर्तबा दिखाया। अरे बाबा माननीय का और बुद्धू बक्से का आभार मानिये, उसे थेंक्यू कहिये कि उसने आपको 6 मर्तबा तो दिखाया ! मान लीजिये यदि वो एक मर्तबा भी नहीं दिखाता तो आप क्या कर लेते? माननीय राष्ट्रपति ने ही लोकसभा अध्यक्ष को उनके चुने जाने पर बधाई दी और आपको विपक्ष का नेता चुने जाने पर बधाई नहीं दी तो क्या आप राष्ट्रपति के खिलाफ महभियोग प्रस्ताव सदन में लेकर आएंगे? शायद नहीं। इसलिए ये गिनती करना छड़ दे कांग्रेस कि बुद्दू बक्से के कैमरे ने किस चेहरे को या किस दल को कितनी बार दिखाया।

लोकसभा और राज्य सभा के अंतरंग चित्रों को दिखाने का दायित्व बुद्धू बक्से पर है। वो ही गोदी मीडिया के बाकी के चैनलों को ये दृश्य प्रसाद की तरह बांटा है, इसलिए आप बुद्धू बक्से के साथ ही गोदी मीडिया पार भी छह बार ही दृष्टिगोचर होंगे। इससे ज्यादा दिखने का शौक है तो केवल दो बार ही भारत जोड़ो यात्रा क्यों की, दो चार और कर लेते? सौ पार ही क्यों अटक गए? चार सौ नहीं तो कम से कम दो सौ ही पार कर लेते? लेकिन कांग्रेस ने ये सब नहीं किया। अब अरण्यरोदन से क्या लाभ? कैमरे कांग्रेस पर, कांग्रेस के नेताओं पर रहम नहीं खाने वाले। रहम तो सरकार भी नहीं खाने वाली। सरकार भी आने वाले दिनों में एक फिर से आपरेशन लोटस, ऑपरेशन झाड़ू और ऑपरेशन ईडी-सीबीआई शुरू करने वाली है, कांग्रेसी और आईएनडीआईए के घटक दल यदि बच सकते हैं तो बचकर दिखाएँ, अन्यथा उनके लिए विभिन्न जेलों में जगह आरक्षित है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश को मै जाती तौर पर बहुत पसंद करता हूं क्योंकि वे दूसरे दलों के चीखने वाले नेताओं से अलग नजर आते है। रमेश जी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया कि जब राष्ट्रपति मुर्मू अभिभाषण दे रही थी तो उस वक्त पीएम मोदी को अधिक और राहुल गांधी को कम बार दिखाया गया। जय राम रमेश ने पोस्ट में लिखा-51 मिनट के राष्ट्रपति के संबोधन में किसको कितनी बार दिखाया गया? नेता सदन नरेंद्र मोदी -73 बार, प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी- 6 बार, सरकार- 108 बार, विपक्ष -18 बार संसद टीवी सदन की कार्यवाही दिखाने के लिए कैमराजीवी की आत्ममुग्धता के लिए नहीं। मै हैरान हूँ कि रमेश भाई रष्ट्रपति का अभिभाषण सुन रहे थे या ये गिन रहे थे कि कैमरा कितनी बार, किसके चेहरे पर ठहरा? वैसे ये काम भी कठिन है। अब वे इसके खिलाफ अदालत तो जा नहीं सकते, इसलिए मेरा मशविरा है कि यदि कांग्रेस के पास चुनाव बाद कुछ पैसे बचे हों तो वो अपने लिए कुछ कैमरे खरीद ले। या कोई न्यूज चैनल शुरू कर दे। क्योंकि सरकार और सरकारी चैनलों से तो कोई उम्मीद की नहीं जा सकती।

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश से बेहतर काम तो राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया। उन्होंने राष्ट्रपति जी का अभिभाषण दत्तचित्त होकर सुना और आरोप लगाया कि राष्ट्रपति के, मोदी सरकार लिखित' अभिभाषण को सुनकर ऐसा लगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनाव के जनादेश को नकारने की कोशिश कर रहे हैं।उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति से 'झूठ बुलवाकर' अपनी वाहवाही करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि देश की जनता उन्हें नकार चुकी है। इस मामले में, मै खरगे जी से इत्तफाक रखता हूं,क्योंकि मैंने भी उनकी तरह राष्ट्रपति जी का भाषण पूरे ध्यान से सुना। एक बार भी, एक पल के लिए भी टीवी के सामने से नहीं उठा। राष्ट्रपति जी ने हर बार मेरी सरकार कहा। हमारी सरकार नहीं। अब यव टीडीपी और जेडीयू वाले जाने कि इस सरकार में वे शामिल हैं या नहीं? क्योंकि ये मेरी सरकार है हमारी सरकार नहीं। अब जो सरकार हमारी है ही नहीं उससे किसी को कोई उम्मीद करना ही क्यों चाहि। पहले देश में हमारी सरकार बनिए, तब कोई बात कीजिये। (लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

नीट पेपर से लेकर छतों तक लीक ही लीक

हम जब बच्चे थे तब जिस लीक के बारे में जानते थे,वो आजकल के पेपर लीक और छत लीक से एकदम अलग थी । अंग्रेजी की लीक और हिंदी की लीक में जमीन -आसमान का अंतर होता है । अंग्रेजी की लीक को हमारे यहां हिंदी में ही नहीं बल्कि बुंदेलखंडी में भी टपकना या चूना कहते है । हमारे यहां लीक का दूसरा अर्थ पगडण्डी भी होता है और एक अर्थ सिर में पड़ने वाले जुओं के बच्चे भी होते हैं। ये सफेद रंग के होते हैं। कहावत है कि-

लीक लीक कायर चले और लीक चले कपूत,
लीक छोड़ तीन ही चलें शायर, सिंह , सपूत।

आज दुर्भाग्य से कहिये या सौभाग्य से लीक यानि लीकेज एक राष्ट्रीय समस्या है । सड़क से लेकर संसद तक इस लीक की चर्चा हो रही है। लेकिन संसद में लीक पर चर्चा की इजाजत देने के बजाय बहस की मांग करने वाले विपक्ष के नेता का माइक तक बंद किया जाने लगा है। अर्थात अभिव्यति की स्वतंत्रता या अधिकार का गला घोंटा जा रहा है। गला घोंटना एक जुलाई से लागू होने वाली भारतीय न्याय संहिता के तहत तहत किस धारा में अपराध होता है ये अभी मुझे पता नहीं ,क्योंकि मैंने जो संहिता अपने पाठयक्रम में पढ़ी थी वो भारतीय दंड संहिता थी।

सबसे पहले अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर की छत से होने वाली लीकेज की बात की जाये । चूंकि हम अयोध्या से सैकड़ों किमी दूर बैठे हैं इसलिए हमें सच्चाई का पता नहीं है, लेकिन जो तस्वीरें वायरल हुईं हैं उनकी बिना पर हम कह रहे हैं कि राम जी के मंदिर की छत लीक हो रही है । लेकिन मंदिर के ट्रस्टी कह रहे हैं कि -ये अफवाह है। अब हम तस्वीरों को सही मानें या ट्रस्टियों की बात को ये भी हमें पता नहीं है कि इन दोनों में से कौन सा साक्ष्य नए साक्ष्य संहिता की किस धारा के तहत आता है ?

वैसे अयोध्या में राम मंदिर के लीकेज से पहले यहां भाजपा की छत में भी लीकेज हुआ है और राम जी ने इसकी सजा भाजपा को यानी मंदिर निर्माण करने वाली राष्ट्रहितैषी पार्टी को चुनाव हारकर दे दी है। ये बात और है की भाजपा इस सजा को भी राम जी का प्रसाद और अनुकम्पा मानती है। ये भाजपा की और चम्पत राय की दरियादिली है। आजकल की अदावत की राजनीति में दरियादिली की सख्त जरूरत है। विपक्ष ने भी लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में मतदान न कराकर दरियादिली का मुजाहिरा किया ही है।

अयोध्या से यदि आप दिल्ली आएं तो यहां अंतर्राष्ट्रीय इंदिरा गाँधी हवाई अड्डे पर टर्मिनल -1 की छत लीक हो रही है और पार्किंग की छत तो टपक ही गयी। मेरा मानना है कि इसके लिए इंदिरा गाँधी ही जिम्मेदार निकलेंगी । यदि उनके नाम की वजाय ये हवाई अड्डा किसी भाजपा नेता के नाम पर होता तो शायद न छत लीक होती और न छत टपकती। वैसे पीने के पानी को लेकर हाय ! हाय !! कर रही पूरी दिल्ली ही इस समय लीक हो रही है । आम आदमी से लेकर ख़ास आदमियों के घर में पानी घुस चुका है । सड़कें यमुना की सगी बहनों की तरह सड़कों पर बह रही है। किसी की क्या मजाल की कोई इस पानी को रोक सके । पानी को रोकने के लिए तो कोई स्विच भी नहीं होता अन्यथा सरकार ओम बिरला ने जिस तरह से राहुल गांधी की बोलती बंद कर दी ठीक उसी तरह पानी की बोलती भी बंद करा देती।

लीकेज और टपका-टपकी केवल दिल्ली का ही मसला नहीं है। हमारे मध्यप्रदेश में जहां डबल इंजिन की सरकार है वहां भी जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च एक कर के ऊपर आ गिरा। कार का कचूमर निकल गया ठीक उसी तरह जिस तरह देश की जनता का कचूमर पिछले एक दशक से निकल रहा है और जनता है कि मुस्कराये जा रही है ,फिर से पुरानी सरकार को सत्तारूढ़ देखकर। अब जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च टपकने के लिए हमारे पहलवान मुख्यमंत्री डॉमोहन यादव को तो जिम्मेदार ठहराया नहीं जा सकता । इसके लिए तो पूर्व के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ही दोषी माना जाना चाहिए ,लेकिन कर-चोर मौसेरे भाई होते है। कौन -किसे जिम्मेदार ठहराए इसको लेकर भी विवाद खड़ा हो सकता है।

अब आइये बिहार चलते हैं। यहां नालंदा विश्व विद्यालय को नव जीवन दिया गया है। यहां से ही नीट का पेपर लीक हुआ है जो हमारी मोशा सरकार के गले की हड्डी बन गया है। चूंकि बिहार सरकार की बैशाखी पर मोशा की सरकार टिकी है इसलिए नीट पेपर लीक को लेकर सरकार संसद में बहस करने से कन्नी काट रही है। कन्नी होती ही काटने के लिए है। बिहार में पेपर ही लीक नहीं होते बल्कि पूरे के पूरे पुल ही बह जाते है। अभी तक तीन-चार पुल तो बह चुके हैं। अब भाजपा और जेडीयू के बीच जो नया पुल बना है वो कितने दिन टिकेगा इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। माननीय गारंटी महोदय भी नहीं। बिहार का और गारंटी का कोई रिश्ता नहीं है। बिहार न नीतीश कुमार की गारंटी दे सकता है और न तेजस्वी यादव की। चिराग पासवान हों या जीतन माझी। कोई भी गारंटी देने का खतरा मोल नहीं ले सकते। पता नहीं कब,किसे ,किसके साथ खड़ा होना पड़े ?

वैसे लीकेज सचमुच है ही विश्वव्यापी समस्य । आपको याद है न कि एक विकीलीक्स हुआ करती है ,जो दुनिया भर की सरकारों के बारे में न जाने क्या-क्या लीक करती रहती है। विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे हैं। वे अक्सर जेल आते-जाते रहते हैं। पिछले दिनों अमेरिका ने उन्हें अपनी जेल से रिहा कर दिया। अमेरिकी न्याय विभाग के साथ हुई डील के बाद उन्हें लंदन की हाई सिक्योरिटी जेल से छोड़ दिया गया है। रिहाई के बाद असांजे अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया चले गए। लेकिन हमारे देश में किसी भी लिक्बाज को न पकड़ा जाता है और न सजा होती है ,क्योंकि हमारे यहां लीक करना एक कुटीर उद्योग है। ये यूपी,बिहार,मध्यप्रदेश,राजस्थान ही नहीं बल्कि दिल्ली तक में बाकायदा सरकारी संरक्षण में पनपता है ,भले ही सरकार कांग्रेस की हो या भाजपा की। लीकेज का धंधा बिना सरकारी सांरक्षण के चल ही नहीं पाता ,लेकिन इस हकीकत को हमारी संसद सुनना नहीं छति और सरकार स्वीकार करना नहीं चाहती।

मेरा तो मशवरा है कि न सिर्फ केंद्र में बल्कि राज्य में लीकेज की समस्या को देखते हुए एक पृथक मंत्रालय की स्थापना कर देना चाहिए। एक अलग मंत्री लीकेज के मामले को देखे । रोज-रोक सीबीआई कहाँ तक लीकेज के मामले दिखेगी ? सीबीआई के पास विपक्षियों की धर-पकड़ का इससे ज्यादा महत्वपूर्ण काम पहले से ही है। मै तो कहता हूँ कि उन्हें भी लीकेज के मामले में संसद पर बहस करने पर जोर नहीं देना चाहिए,उन्हें सड़कों पर उत्तर कर पीड़ितों के बीच खड़े होकर संसद के बाहर लीक काण्ड पर बहस करना चाहिए। संसद भीतर की बहस से नहीं बल्कि बाहर होने वाली बहस से हिलती है। भीतर तो उनका माइक सरकार बंद करा सकती है किन्तु बाहर ऐसा करना सरकार के लिए भी मुमकिन नहीं है।

आपकी हो या न हो किन्तु मेरी स्पष्ट धारणा है कि देश की संसद हो या सरकार ,पुल हो या हवाई अड्डा,परीक्षा हो या चुनाव सबके सब लीक प्रूफ होना चाहिए। लीकेज को राष्ट्रीय उद्योग न बनाकर राष्ट्रीय अपराध बनाया जाना चाहिए। वैसे केंद्र और राज्य सरकारों ने ऐसे कानून एहतियात के तौर पर बनाये हैं ,सरकार चाहे तो इन लीकबाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता,भारतीय साक्ष्य संहिता में भी तरमीम कर सकती है और इसके आरोपियों के खिलाफ बुलडोजरों का इस्तेमाल भी कर सकती है ,लेकिन मुझे पता है कि ऐसा करने के लिए चार सौ पार वाली सरकार चाहिए। 240 पार वाली सरकार ये सब नहीं कर सकती। बहरहाल हम देश के नौजवानों के लिए प्रार्थना ही कर सकते हैं कि उनकी परीक्षाओं के पेपर लीक न हों । हम देश के हवाई अड्डों ,पुलों, मंदिरों और नई नवेली संसद के लिए भी प्रार्थना ही कर सकते हैं कि वे न लीक हों और न टपकें और न बहें। हम नहीं जानते कि प्रार्थनाओं में कितना दम होता है ,लेकिन हमें इसके अलावा कुछ और आता ही कहाँ है ? (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

प्राचीन भारत में आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन का अनुपालन किया जाता रहा है

पिछले कुछ वर्षों से निगमित अभिशासन को विभिन्न बैकों एवं कम्पनियों में लागू करने के भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी इस सम्बंध में विस्तार से दिशा निर्देश जारी किए हैं एवं इन्हें सहकारी क्षेत्र के बैंकों में लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध के समाप्त होने के पश्चात अमेरिका में लागू की गई पूंजीवाद की नीतियों के चलते कम्पनियों को अमेरिकी सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार करने की खुली छूट दी गई थी ताकि अमेरिकी में बिलिनायर नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ाई जा सके ताकि अमेरिका एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाय। अमेरिका एवं अन्य देशों में व्यापार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अमेरिका में आर्थिक नियमों में भारी छूट दी गई थी। इस छूट का लाभ उठाते हुए कई अमेरिकी कम्पनियों ने अन्य देशों में भी अपने व्यापार का विस्तार करते हुए अपनी कई कम्पनियां इन देशों में स्थापित की और बाद में उन्हें बहुराष्ट्रीय कम्पनियां कहा गया। अमेरिका में स्थापित कम्पनियां दूसरे देशों में स्थापित अपनी सहायक कम्पनियों की अमेरिका में बैठकर देखभाल तो कर नहीं सकती थी अतः उन्होंने अन्य देशों में स्थापित कम्पनियों के बोर्ड में अपने प्रतिनिधि, निदेशक के तौर पर भर्ती किए। इस बोर्ड को चलाने के साथ ही इन देशों में इन कम्पनियों द्वारा व्यापार को विस्तार देने के उद्देश्य से इस सम्बंध में नियमों की रचना की गई, जिन्हें बाद में निगमित अभिशासन का नाम दिया गया। वर्ष 1970 के आसपास अमेरिका में एवं अन्य यूरोपीयन देशों में निगमित अभिशासन के सम्बंध में बहुत शोध कार्य सम्पन्न हुआ एवं निगमित अभिशासन के कई मॉडल एवं सिद्धांत विकसित हुए, जिन्हें भारत में भी लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हालांकि भारत में तो प्राचीन काल से ही आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन सम्बंधी नियमों का अनुपालन किया जाता रहा है। सनातन संस्कृति में कर्म एवं अर्थ को धर्म से जोड़ा गया है। अतः प्राचीन भारत में धर्म का पालन करते हुए ही आर्थिक गतिविधियां सम्पन्न होती रही हैं। इस प्रकार, आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन तो व्यापार में उपयोग होता ही रहा है। ब्रिटिश मूल के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं इतिहासकार श्री एंगस मेडिसिन द्वारा सम्पन्न किए के शोध के अनुसार एक ईसवी पूर्व से 1750 ईसवी तक वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से 48 प्रतिशत के बीच रही है और भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतने बड़े स्तर पर होने वाले व्यापार में अभिशासन की नीतियों का अनुपालन तो निश्चित रूप से होता ही होगा। परंतु, पश्चिमी देश निगमित अभिशासन को एक नई खोज बता रहे हैं। प्राचीन काल में भारत में आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन के अनुपालन का स्तर बहुत उच्च था। एक घटना के माध्यम से इसे सिद्ध भी किया जा सकता है। एक किसान ने एक अन्य किसान से जमीन के टुकड़ा खरीदा। उस किसान ने जब जमीन में खुदाई शुरू की तो उसे खुदाई के दौरान उस जमीन में सोने के सिक्कों से भरा एक घड़ा मिला। इस घड़े को लेकर वह किसान जमीन के विक्रेता किसान के पास पहुंचा और बोला आपसे जो जमीन का टुकड़ा मैंने खरीदा था उसमें सोने के सिक्कों से भरा यह घड़ा मिला है, मैंने तो चूंकि आपसे केवल जमीन खरीदी है अतः इस घड़े पर आपका अधिकार है। विक्रेता किसान ने उस घड़े को लेने से इसलिए इंकार कर दिया कि क्योंकि अब तो वह जमीन मैं आपको बेच चुका हूं अतः अब जो भी वस्तु अथवा पदार्थ इस जमीन से प्राप्त होता है उस पर जमीन के क्रेता अर्थात केवल आपका अधिकार है। दोनों किसानों के बीच जब किसी प्रकार की सुलह नहीं हो सकी तो वे दोनों किसान राजा के महल में अपनी समस्या का हल ढूंढने के लिए पहुंचे। जब वहां भी इस समस्या का हल नहीं निकल सका तो दोनों किसानों ने राजा से प्रार्थना की कि सोने के सिक्कों से भरे इस घड़े को राज्य के खजाने में जमा कर दिया जाय। राजा ने भी उस घड़े को राज्य के खजाने में जमा करने से इंकार कर दिया क्योंकि राज्य के खजाने में तो अभिशासन सम्बंधी नियमों के अनुपालन के अनुसार ही प्राप्त धन को जमा किया जा सकता है और अभिशासन सम्बंधी नियमों में इस प्रकार से प्राप्त धन को खजाने में जमा करने का वर्णन ही नहीं है। इस उच्च स्तर की अभिशासन प्रणाली प्राचीन भारत में लागू थी।

अभिशासन को परिभाषित करते हुए कहा जाता है कि यह एक तरीका है, जिसके अनुसार संस्थानों को अभिशासित किया जाता है। यह नियमों, व्यवहारों एवं प्रक्रियाओं की एक प्रणाली है जिसके अनुसार एक व्यवसाय को चलाया, विनियमित एवं नियंत्रित किया जाता है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि निर्णय प्रक्रिया स्वच्छ (निष्पक्ष) एवं नैतिक है। इसके माध्यम से यह जानने, संतुलित करने एवं संरक्षित करने का प्रयास किया जाता है कि लम्बी अवधि के लिए हितधारकों के हित सुरक्षित रहें। हितधारकों में शामिल हैं - बैंक के संदर्भ में जमाकर्ता, एवं अन्य कम्पानियों के संदर्भ में ग्राहक, शेयरधारक, कर्मचारी, प्रबंधन, सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, आदि। निगमित अभिशासन सम्बंधी नियमों के अनुपालन की जिम्मेदारी बोर्ड के सदस्यों की मानी जाती है।

अच्छे निगमित अभिशासन के गुणों के सम्बंध में कहा जाता है कि बोर्ड द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों में निष्पक्षिता एवं पारदर्शिता होनी चाहिए। संस्था में प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही एवं जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। बोर्ड के सदस्यों के चुनाव में पारदर्शिता हो एवं बोर्ड के सदस्य पेशेवर होने चाहिए। यदि बैंक के बोर्ड की बात की जाय तो बोर्ड के सदस्य जमाकर्ता के ट्रस्टी के रूप में कार्य करें। ऋण प्रदान करने में पारदर्शिता होनी चाहिए एवं मेरिट आधारित निर्णय होने चाहिए। केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक एवं प्रधान कार्यालय द्वारा जारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित होना चाहिए। अंकेक्षण प्रणाली, जागरूकता प्रणाली (विजिलन्स सिस्टम), धोखाधड़ी का पता लगाने का तंत्र (फ्राड डिटेक्शन मेकनिजम) मजबूत होना चाहिए। साथ ही, संस्थान में उच्च तकनीकी का उपयोग भी होना चाहिए।

निगमित अभिशासन के अंतर्गत बोर्ड की भूमिका के संबंध में भी कहा जाता है कि बोर्ड के सदस्यों में व्यावसायिक कुशलता होना चाहिए। बोर्ड के सदस्यों द्वारा संस्था में स्थापित प्रणाली एवं प्रक्रिया की व्याख्या करनी चाहिए। आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की व्याख्या करनी चाहिए। आंतरिक अंकेक्षण प्रणाली की समय समय पर जांच पड़ताल करनी चाहिए। समस्त व्यवसाय सबंधित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। प्रणाली एवं प्रक्रिया की उचित समय अंतराल पर समीक्षा करनी चाहिए। निगमित अभिशासन के अंतर्गत बोर्ड स्तर की कुछ समितियों का निर्माण भी किया जाना चाहिए। जैसे, अंकेक्षण समिति, नियमों के अनुपालन की जांच करने के सम्बंध में समिति, बड़ी राशि के फ्राड की जांच करने वाली समिति, बोर्ड के सदस्यों का परिश्रमिक तय करने की समिति, जोखिम प्रबंधन समिति, आदि।

निगमित अभिशासन के सम्बंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बनाए गए नियमों को कम्पनियों एवं बैकों में लागू किया जाना चाहिए। हालांकि प्राचीन भारत में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में अभिशासन का उच्च स्तर रहा है, क्योंकि उस खंडकाल में कर्म एवं अर्थ के कार्य धर्म से जोड़कर किए जाते थे। परंतु, आज की परिस्थितियाँ भिन्न हैं, अतः वर्तमानकाल में भिन्न परिस्थितियों के बीच निगमित अभिसासन के नियमों को विभिन्न संस्थानों में लागू किया ही जाना चाहिए।(लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8053

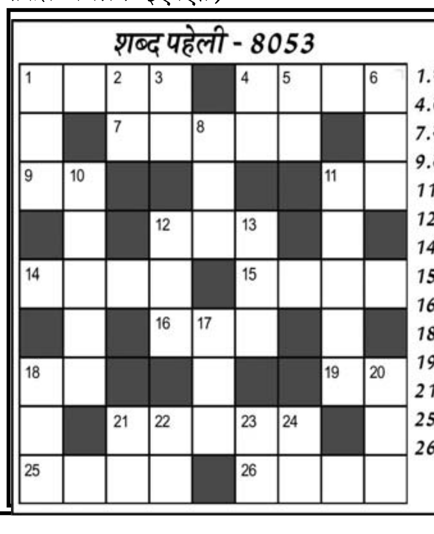

बाएँ से दाएँ

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी,नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि,कमरिया-3
14. फटकार,भर्त्सना-4
15. वतन,स्वदेश-4
16. पार होना,पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब,निर्धन-2
21. लोचदार,लचकदार-5
25. पारंपरिक,पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता,जल्दी-3
2. मूल्य,कीमत-2
3. जनता,आम आदमी-2
4. किनारा,कोरा-2
5. इंकार,मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम,वहम-3
10. साधू,संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा,जीभ-3
17. रसदार,रसभरा-3
18. कारण,वजह-3
20. नेत्र,लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया,पंख-3
24. रग,नाड़ी-2

शब्द पहेली -8052 का हल

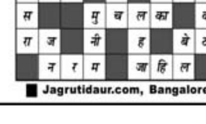

Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्पादकीय

खेल-समाचार

गुस्साएं राहूल द्रविड़ ने क्यों कहा.....ये मेरे उसूलों के खिलाफ

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद बढ़ाया गया था। इस टी20 विश्व कप के बाद उनका यह कार्यकाल खत्म हो जाएगा। सोशल मीडिया पर कोच द्रविड़ के लिए विश्व कप जीतने को लेकर कैंपेन चलाया जा रहा है। फैंस उनकें लिए टूर्नामेंट का खिताब जीतने के लिए यह कैंपेन चला रहे हैं। लेकिन द्रविड़ इस बात से नाराज दिख रहे है।

द्रविड़ ने कहा कि मैं जिस तरह का इंसान हूं, यह बिल्कुल उसके खिलाफ है। मैं इस तरह की चीजों में यकीन नहीं रखता कि किसी के लिए कोई ट्रॉफी जीतो। मुझे किसी की कही बात याद आती है कि जब पूछा गया, आप एवरेस्ट क्यों चढ़ना चाहते हैं, तब जवाब मिला। मुझे एवरेस्ट चढ़ना है क्योंकि वह वहीं है। राहुल ने कहा, हम यहां पर यह ट्रॉफी जीतने आए हैं और हमें यह विश्व कप जीतना है। अच्छा क्रिकेट खेलना है। किसी एक के लिए यह ट्रॉफी जीतना है, मैं इस बात के पूरी तरह से खिलाफ हूं।

सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाली खिलाड़ी बनी शेफाली वर्मा

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दौरान महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाली खिलाड़ी बन गई। शेफाली ने ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ते हुए यह रिकार्ड बनाया है।

20 साल की शैफाली ने सिर्फ 194 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा कर सदरलैंड को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 248 गेंदों पर दोहरा शतक बनाया था। मिताली ने अगस्त 2002 में टॉनटन में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रा हुए दूसरे टेस्ट के दौरान 407 गेंदों पर 214 रन बनाए थे। शेफाली ने अपनी आक्रामक पारी में 23 चौके और आठ छक्के जड़े। उन्होंने डेलमी टकर के खिलाफ लगातार दो छक्के लगाने के बाद एक रन चुराकर अपना दोहरा शतक पूरा किया। वह 197 गेंद में 205 रन बनाकर रन आउट हुई। शेफाली को सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 161 गेंद में 27 चौके और एक छक्का लगाया।

दोनों ने पहले विकेट के लिए 312 गेंद में रिकॉर्ड 292 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई।शेफाली भारत की पूर्व कप्तान कप्तान मिताली राज के बाद लगभग 22 वर्षों के लंबे समय अंतराल पर टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली दूसरी भारतीय भी बनीं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

-टेस्ट क्रिकेट में एक दिन में बनाए 525 रन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टेस्ट मैच में एक दिन में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व कीर्तिमान बनाया है। इस तरह से महिला क्रिकेट टीम ने विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में जारी पहले टेस्ट मैच के पहले दिन भारत ने 4 विकेट पर 525 रन बनाए।

शेफाली वर्मा ने दोहरा शतक जड़ा जबकि स्मृति मंधाना 149 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। दोनों बैटर्स ने पहले विकेट के लिए 292 रन की रिकार्ड साझेदारी की। 20 वर्षीय शेफाली वर्मा ने सिर्फ 194 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा कर सदरलैंड को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 248 गेंदों पर दोहरा शतक बनाया था। अपना 5वां टेस्ट खेल रही शेफाली ने अपनी आक्रामक पारी में 23 चौके और आठ छक्के जड़े। इससे पहले टेस्ट में उनका सर्वोच्च स्कोर 96 रन था। शेफाली भारत की पूर्व कप्तान कप्तान मिताली राज के बाद लगभग 22 वर्षों के लंबे समय अंतराल पर टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली दूसरी भारतीय भी बनीं। मिताली ने अगस्त 2002 में टॉनटन में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ हुए दूसरे टेस्ट के दौरान 407 गेंदों पर 214 रन बनाए थे।

स्मृति मंधाना ने 149 की अपनी दमदार पारी में 27 चौके और एक छक्का लगाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 312 गेंद में रिकॉर्ड 292 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। जेमिमा रोड्रिग्स ने 55 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 42) और ऋचा घोष (नाबाद 43) स्टंप्स के समय क्रीज पर मौजूद थे।महिला टेस्ट क्रिकेट में यह एक दिन का सर्वाधिक स्कोर है। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम था। जिसने 1935 में क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 विकेट पर 431 रन बनाए थे।

अब कोच की भूमिका में नजर आएगें रिकी पोंटिंग

मुम्बई (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड अब अमेरिकी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दूसरे सत्र में खेलेंगे। अब सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया का कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं है। इसी का लाभ उठाते हुए हेड ने अमेरिकी लीग में खेलने का फैसला किया है। हेड का कहना है कि वह मेजर लीग में वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से खेलेंगे।

हेड के अलावा इसमें ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ फ्रीडम भी खेलेंगे। टीम के नए कोच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग रहेंगे। पोंटिंग को इस लीग के लिए ग्रेग शिपडर् की जगह कोच बनाया गया है। फ्रीडम की ओर से न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र भी खेलेंगे। टीम ने 2023 सत्र के लिए माकर जेन्सन और अकील होसेन जैसे दो विदेशी खिलाड़ियों को भी रखा है। इस लीग में एडम ज़म्पा लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स, स्पेंसर जॉनसन नाइट राइडर्स और टिम डेविड एमआई न्यूयार्क भी खेलेंगे। शामिल हो गए हैं। उन्होंने एमएलसी के दूसरे सत्र के लिए अनुबंध की पुष्टि की है।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलते दिखेंगे युवराज सिंह और हरभजन सहित कई दिग्गज

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह, हरभजन सिंह और सुरेश रैना सहित कई दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर मैदान पर चौके और छक्के लगाते दिखेंगे। युवराज अगले माह जुलाई में इंग्लैंड में आयोजित होने वाले पूर्व क्रिकेटरों के टूर्नामेंट 'वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में 'इंडिया चैंपियंस की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की पूर्व खिलाड़ियों की टीमें हिस्सा लेगी।

'इंडिया चैंपियंस टीम में युवराज के अलावा हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और यूसुफ पठान जैसे दिग्गज क्रिकेटर शामिल हैं। भारतीय टीम अपने मुकाबले एजबेस्टन, बर्मिंघम और नॉर्थम्पटनशर में खेलेगी। टीम की जर्सी के अनावरण के अवसर पर टीम के मालिकों के साथ पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह और पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा भी मौजूद थे।

रैना ने इस मौके पर कहा कि वह 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि युवराज और हरभजन के साथ हमने पाकिस्तान के साथ कई मैच खेले हैं। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं तो अच्छा करने की कोशिश होती है। हम इंग्लैंड में पाकिस्तान का सामना करने का ब्रेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पेशेवर खेल से संन्यास जरूर लिया है पर दिल से कभी क्रिकेट नहीं हटेगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए 'इंडिया चैम्पियंस की टीम इस प्रकार है : युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, यूसुफ पठान, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी।

ब्रैथवेट की कप्तानी में अगले माह टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी वेस्टइंडीज

सेंट जॉन्स (ईएमएस)। क्रैग ब्रैथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज टीम अगले माह इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने 10 जुलाई से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की रिचर्ड्स बॉथम सीरीज के लिए 15 सदस्यीय जो टी घोषित की है। उसमें चोटिल तेज गेंदबाज केमर रोच की जगह पर सेंट किट्स एंड नेविस के तेज गेंदबाज जेरेमिया लुइस को शामिल किया है। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा कि टीम को रोच की कमी खलेगी पर अन्य खिलाड़ी इसके लिए पर्याप्त हैं। रिचर्ड्स बॉथम सीरीज सर विवियन रिचर्ड्स और इंग्लैंड के महान ऑलराउंडर लॉर्ड इयान बॉथम के नाम पर रखी गयी है। इंडीज टीम 4 जुलाई से बेकेनहैम में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 3 दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। 19 वर्षीय तेज गेंदबाज इसाई थॉर्न को भी टीम में जगह मिली है।

टीम इस प्रकार हैः क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), एलिक अथानाज़े, जोशुआ दा सिल्वा, जेसन होल्डर, केवम हॉज, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, ज़ाचरी मैकास्की, किर्क मैकेंज़ी, गुडाकेश मोती, जेरेमिया लुइस, जेडेन सील्स, केविन सिंक्लेयर, और इसाई थॉर्न।

लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें यथावत रहेंगी - सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) एवं अन्य लघु बचत योजनाओं पर चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के लिए ब्याज दरों में कोई भी बदलाव नहीं किया है। सरकार ने ब्याज दरों को लेकर यह ऐलान किया। एक जुलाई, 2024 से शुरू होने वाली तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को यथावत रखा है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा ?कि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही एक जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें पहली तिमाही एक मार्च से 30 जून 2024 तक के लिए अधिसूचित दरों के समान ही रहेंगी। अधिसूचना के मुताबिक, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जबकि तीन साल की सावधि जमा पर दर 7.1 प्रतिशत रहेगी। पीपीएफ और डाकघर बचत जमा योजना की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बनी रहेंगी। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी तथा यह निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। जुलाई-सितंबर 2024 की अवधि के लिए राष्ट्रीय बचत पत्र पर ब्याज दर 7.7 प्रतिशत रहेगी। सितंबर तिमाही में भी डाकघर मासिक आय योजना के निवेशकों को पहले की तरह 7.4 प्रतिशत ब्याज देगी। सरकार हर तिमाही में डाकघरों और बैंकों द्वारा संचालित लघु बचत योजनाओं के लिए ब्याज दरों को अधिसूचित करती है।

इस स्कीम में हर वित्त वर्ष में न्यूनतम 500 रुपये का निवेश करना ही होता है। इस स्कीम में किया गया निवेश भी टैक्स छूट के लिए पात्र होता है। इस योजना में एक साल में अधिकतम 1.5 लाख रुपये का निवेश किया जा सकता है। इस स्कीम में न्यूनतम 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये तक का निवेश किया जा सकता है। अगर इसके ब्याज से होने वाली कुल आय 50,000 वित्त वर्ष से ऊपर निकल जाती है तो उस पर टैक्स देना होता है।

यह अकाउंट 1000 रुपये के न्यूनतम निवेश के साथ शुरू किया जा सकता है। इंडिविजुअल अकाउंट में इसमें 9 लाख रुपये और जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये लगाए जा सकते हैं। इस अकाउंट में न्यूनतम निवेश 1000 रुपये का करना होता है। अधिकतम निवेश के लिए कोई सीमा नहीं है। इसका मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 653 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 जून को खत्म हुए सप्ताह में 81.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 653.71 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पिछले सप्ताहमें विदेशी मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार 7 जून को 655.82 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 21 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली फॉरेन करेंसी एसेट्स 10.6 करोड़ डॉलर घटकर 574.13 अरब डॉलर रही। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में एफसीए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले एफसीए में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी करेंसी में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। आरबीआई ने कहा कि ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक के दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 98.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.96 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्पेशल ड्राइंग राइट्स विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.05 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के मुताबिक रिपोर्टिंग वीक में इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के पास भारत की रिजर्व पोजीशन 90 लाख डॉलर घटकर 4.57 अरब डॉलर रह गई।

सरकार ने ईपीएस से पैसे निकालने का बदल दिया नियम

- कर्मचारी पेंशन योजना के 7 लाख से अधिक सदस्यों को लाभ होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के पैसे ?निकालने के ?नियम बदल ?दिए हैं। इस संसोधन के बाद 6 महीने से कम अंशदायी सेवा वाले कर्मचारी पेंशन योजना के सदस्य भी ईपीएस खाते से पैसे निकाल पाएंगे। इस संशोधन से प्रत्येक वर्ष कर्मचारी पेंशन योजना के 7 लाख से अधिक ऐसे सदस्यों को लाभ होगा जो 6 महीने से कम अंशदायी सेवा के बाद योजना छोड़ देते हैं।प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार केंद्र सरकार ने टेबल डी को भी संशोधित किया है। अब से विड्रॉल बेनेफिट इस बात पर निर्भर करेगा कि सदस्य ने कितने महीने तक सर्विस किया है और वेतन पर कितना ईपीएस का योगदान किया जाता रहा है। इससे सदस्यों के विड्रॉल बेनेफिट को तर्कसंगत बनाने में मदद मिलेगी। इस संशोधन से 23 लाख से अधिक ईपीएस सदस्यों को लाभ होगा। श्रम मंत्रालय ने बताया कि देश में लाखों ऐसे ईपीएस 95 स्कीम के सदस्य हैं जो पेंशन पाने के लिए 10 वर्ष तक लगातार स्कीम में योगदान करने के नियम के बावजूद बीच में ही स्कीम से बाहर आ जाते हैं। अभी तक के नियमों के मुताबिक तक विड्रॉल बेनेफिट के कैलकुलेशन के लिए सर्विस में पूरे किए गए वर्ष और उस वेतन के आधार पर तय किया जाता है जिस पर ईपीएस के लिए योगदान किया गया है। 6 महीने या उससे अधिक समय तक योगदान करने वाले मेंबर्स ही इस विड्रॉल लाभ ले सकते थे। ऐसे में जो सदस्य छह महीने से कम समय तक योगदान करने के बाद स्कीम छोड़ देते हैं उन्हें कोई विड्रॉल बेनेफिट नहीं मिलता था। इसके चलते कई लोगों के क्लेम के आवेदन को खारिज कर दिया जाता था। श्रम मंत्रालय के मुताबिक छह महीने से ज्यादा अंशदान के नियम के चलते 2023-24 में 7 लाख विड्रॉल क्लेम के आवेदन को खारिज कर दिया गया। ये ऐसे आवेदन थे जिसमें 6 महीने से कम समय के लिए ईपीएस 95 स्कीम में योगदान किया गया था लेकिन सरकार के इस फैसले के बाद वैसे सभी ईपीएस सदस्य जो 14 जून 2024 तक 58 वर्ष की आयु के नहीं हुए हैं। वे भी पैसे निकालने के हकदार हो जाएंगे।केंद्र सरकार ने टेबल डी को भी संशोधित किया है। अब से विड्रॉल इस बात पर निर्भर करेगा कि सदस्य ने कितने महीने तक सर्विस किया है और वेतन पर कितना ईपीएस का योगदान किया जाता रहा है। इससे सदस्यों के विड्रॉल बेनेफिट को तर्कसंगत बनाने में मदद मिलेगी। इस संशोधन से 23 लाख से अधिक ईपीएस सदस्यों को लाभ होगा। इससे उचित विड्रॉल बेनेफिट को लाभ मिल सकेगा। उदाहरण के लिए अगर कोई सदस्य 15,000 रुपये के मासिक वेतन पर 2 साल 5 महीने तक सर्विस करने के दौरान ईपीएस के लिए योगदान करता है तो पहले के नियम के मुताबिक उसे 29,850 रुपये विड्रॉल बेनेफिट मिलता लेकिन नियमों में संशोधन के बाद 36,000 रुपये का निकासी लाभ मिलेगा।

1 जुलाई से हो जाएंगे पांच बड़े बदलाव, जानना जरूरी है -मोबाइल रिचार्ज से लेकर बैंक खाते तक होगा असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। जुलाई का महीना अपने साथ कुछ बदलाव लेकर आता है। बैंक खाते से लेकर क्रेडिट कार्ड तक के नियमों का असर सीधा आम आदमी की जेब पर होने वाला है। नियमों की जानकारी न होने से कई बार आदमी को बिना वजह शुल्क चुकाना पड़ सकता है। साथ ही कई बार कुछ कामों की डेडलाइन निकल जाने की वजह से वे काम रूक जाते हैं। एक जुलाई से टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने सिम स्वैप फ्रॉड को रोकने के लिए सिम कार्ड चोरी होने या डैमेज होने की स्थिति में लॉकिंग पीरिएड को सात दिन तक बढ़ा दिया है। यानी ?कि अब आपको सिम के लिए सात दिन इंतजार करना होगा। जुलाई में आपको अपना मोबाइल रिचार्ज कराने पर ज्यादा पैसे देने होंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि रिलायंस जियो, वोडाफोन-आईडिया और एयरटेल ने अपने टैरिफ बढा दिए हैं।हर महीने की पहली तारीख को पेट्रोलियम कंपनियां एलपीजी सिलेंडर और एटीएफ की कीमतों को संशोधित करती है। ऐसे में एक जुलाई से गैस सिलेंडर पर आपको राहत भी मिल सकती है। 1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट के नए नियम लागू हो जाएंगे। इसमें सभी बैंकों को क्रेडिट कार्ड पेमेंट भारत बिल पेमेंट सिस्टम के जरिए से प्रोसेस करना होगा। हालांकि, बैंकों ने अभी तक इन निर्देशों का पालन नहीं किया है। अभी तक सिर्फ 8 बैंकों ने ही बीबीपीएस पर बिल पेमेंट एक्टिव किया है। अगर आपका पंजाब नेशनल बैंक में खाता है और उसे आपने लंबे समय से उपयोग नहीं किया है तो वह 1 जुलाई से काम नहीं करेगा। बैंक ने अपने नोटिफिकेशन में कहा है कि 30 अप्रैल 2024 तक जिन खातों को इस्तेमाल किए हुए 3 साल से अधिक का वक्त हो गया है उस तरह के खाते को बैंक अब एक महीने के भीतर बंद कर देगा। बैंक ने ग्राहकों को असुविधा से बचाने के लिए 30 जून 2024 तक की समयसीमा तय की है।

पैर की जगह प्राइवेट पार्ट की सर्जरी

मुबंई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के शाहपुर स्थित सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही उजागर हुई है। यहां एक कपल अपने 9 साल के बेटे के पैर का इलाज करवाने पहुंचे थे। हालांकि, डॉक्टरों ने पैर की जगह उसके प्राइवेट पार्ट का ऑपरेशन कर दिया। कपल ने इसकी शिकायत की तो मेडिकल ऑफिसर ने कहा कि डॉक्टरों ने कुछ भी गलत नहीं किया है। बच्चे के प्राइवेट पार्ट में दिक्कत थी। इसलिए सर्जरी की गई है। हो सकता है कि डॉक्टर ऑपरेशन के बारे में माता-पिता को बताना भूल गए होंगे या उन्होंने गलती से किसी दूसरे मरीज के रिश्तेदार को बता दिया होगा।

कानूनी पेशे में लैंगिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने की जरूरत - सीजेआई

कोलकाता (ईएमएस)। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी। वाई चंद्रचूड़ ने कानूनी पेशे में लैंगिक प्रतिनिधित्व का अधिकतम प्रतिनिधित्व हासिल करने के लिए और अधिक काम किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है। साथ ही उन्होंने इस दिशा में पहले से किए गए प्रयासों की सराहना की।

चंद्रचूड़ ने कानून के क्षेत्र से जुड़े लोगों से लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि विभिन्न राज्यों में न्यायिक सेवा के निम्नतम स्तर के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में अब 60 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं आवेदन करती हैं।

कलकत्ता उच्च न्यायालय में बार लाइब्रेरी क्लब के द्वि-शताब्दी समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा, यह आपको भारत में हो रहे सामाजिक विकास को दर्शाता है।

चंद्रचूड़ ने कहा, महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी भी बढ़ रही है, लेकिन फिर भी यह सुनिश्चित करने की सख्त जरूरत है कि हमारी न्यायिक संस्थाएं वास्तव में सभी के लिए समावेशी और समायोजनकारी हों।

मास्को में छात्रावास में लगी आग, पांच की मौत, तीन घायल

मास्को,(ईएमएस)। रूस में मॉस्को के उपनगर बालाशिखा में एक छात्रावास में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को परिचालन सेवाओं के हवाले से बताया कि केरामीचेस्काया स्ट्रीट पर छात्रावास में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई है। तीन लोगों को बचा लिया और उनका अस्पताल में इलाज जारी है और दस अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आंकड़ों के मुताबिक आग का कारण विद्युत नेटवर्क का एक आपातकालीन संचालन था।

सरकार की सकल देनदारियां मार्च तक 3.4 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार की कुल सकल देनदारियां दिसंबर के आ?खिर में 166.14 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2024 तक 171.78 लाख करोड़ रुपये हो गईं। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। सार्वजनिक ऋण प्रबंधन तिमाही रिपोर्ट जनवरी-मार्च, 2024 में कहा गया कि यह आंकड़ा तिमाही आधार पर 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक समीक्षाधीन तिमाही के दौरान सार्वजनिक ऋण कुल सकल देनदारियों का 90.2 प्रतिशत था। इसमें कहा गया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान, अंतरिम बजट में घोषित उधार योजना के अपेक्षा से कम रहने के चलते भारतीय घरेलू बॉन्ड के प्रतिफल में नरमी आई। राजकोषीय घाटे के काबू में रहने, एफपीआई प्रवाह और स्थिर मुद्रास्फीति से इसमें मदद मिली। दूसरी ओर समीक्षाधीन तिमाही के दौरान अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल अस्थिर रहा, जो मुख्य रूप से फेडरल रिजर्व की कार्रवाई, मुद्रास्फीति और रोजगार डेटा से प्रभावित था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान अमेरिकी 10 वर्षीय प्रतिफल 4.33 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक नए निर्गमों पर भारित औसत प्रतिफल 2023-24 की तीसरी तिमाही के 7.37 प्रतिशत की तुलना में 2023-24 की चौथी तिमाही में 7.19 प्रतिशत तक नरम हो गया। इसके अलावा दिनांकित प्रतिभूतियों के निर्गमों की भारित औसत परिपक्वता 2023-24 की चौथी तिमाही में 18.75 वर्ष हो गई। यह 2023-24 की तीसरी तिमाही में 18.80 थी।

फिच ने माले की क्रेडिट रेटिंगघटाई - अमेरिकी क्रेडिट एजेंसी ने गिराई रेटिंग, संकट में मुइज्जू का देश

माले (ईएमएस)। कर्ज की मार झेल रहा मालदीव इस समय चीन के सामने गिड़गिड़ा रहा है। हाल ही में मालदीव के व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद ने देश की अर्थव्यवस्था को संकट से बचाने के लिए चीनी बैंकों का साथ बातचीत की। दरअसल, अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने माले की क्रेडिट रेटिंग को घटा दिया है, जिससे मालदीव की विदेशी कर्ज चुकाने की क्षमता पर सवालिया निशान लग गए हैं। इसी सिलसिले में मोहम्मद मुइज्जू के मंत्री सईद ने चाइना इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक के अधिकारियों से मुलाकात की। इसके बाद वे बैंक ऑफ चाइना के अधिकारियों से भी मिले। सईद इस समय चीन के डालियान शहर में 15वें विश्व आर्थिक मंच की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं। जनवरी में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू की राजकीय यात्रा के बाद, सईद चीन का दौरा करने वाले पहले उच्च-स्तरीय अधिकारी हैं। सईद के पास मालदीव के आर्थिक विकास मंत्रालय का भी प्रभार है। सईद ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि उन्होंने चीनी बैंकों के अधिकारियों से बात की है, ताकि चीन और मालदीव के बीच सहयोग को मजबूत करने के तरीकों का पता लगाया जा सके। इस बीच अमेरिकी क्रेडिट एजेंसी फिच ने मालदीव की दीर्घकालिक विदेशी-मुद्रा जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग को बी से घटाकर सीसीसी प्लस कर दिया। सबसे कम रेटिंग के बारे में बताते हुए फिच ने एक बयान में कहा कि फिच आमतौर पर सीसीसी प्लस या इससे कम रेटिंग वाले संप्रभु देशों को आउटलुक नहीं देता है।

इसमें आगे कहा गया कि मालदीव की खराब रेटिंग देश के बिगड़ती बाहरी फंडिंग और तरलता मेट्रिक्स से जुड़े बढ़ते जोखिमों को दर्शाती है। हमें उम्मीद है कि आने वाले साल में मालदीव के विदेशी भंडार पर काफी दबाव रहेगा। मई 2024 में मालदीव का विदेशी मुद्रा भंडार डॉलर घटकर 49.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर रह गया था। इसके एक साल पहले यह 74.8 अमेरिकी डॉलर था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार साल 2023 तक मालदीव के ऊपर विदेशी कर्ज 4 अरब अमेरिकी डॉलर था।

इसमें सबसे बड़ा कर्जदाता चीन है, जिसने मालदीव को 1.5 अरब डॉलर का ऋण दिया है। इसके पहले बुधवार को सईद ने मालदीव और चीन बीच मुक्त व्यापार समझौते से संबंधित चर्चा के लिए चीनी वाणिज्य मंत्री वांग बेंटाओं से मुलाकात की। मालदीव अपने नए दोस्त चीन से कर्ज में पुनर्गठन की उम्मीद कर रहा है। हालांकि, पिछले महीने ही मालदीव में चीनी राजदूत वांग लिक्सिंग ने माले में बताया था कि चीन की कर्ज पुर्नगठन की कोई योजना नहीं है।

ईरान के राष्ट्रपति चुनाव में किसी को बहुमत नहीं

खामेनेई समर्थक जलीली और हिजाब विरोधी पजशकियान में टक्कर, 5 जुलाई को फिर चुनाव

तेहरान(ईएमएस)। ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला है। किसी भी उम्मीदवार को बहुमत के लिए 50 फीसदी वोट नहीं मिलने के कारण अब अगले शुक्रवार फिर से चुनाव होंगे। इसमें सबसे अधिक वोट हासिल करने वाले शीर्ष दो उम्मीदवार सईद जलीली और मसूद पजशकियान के बीच मुकाबला होगा।

चुनाव आयोग के प्रवक्ता मोहसेन इस्लामी ने कहा कि चुनाव में 2 करोड़ 45 लाख वोट पड़े। इसमें सबसे अधिक 1 करोड़ 4 लाख वोट मसूद पजशकियान को मिले। दूसरे नंबर पर सईद जलीली रहे जिन्हें 94 लाख वोट मिले। तीसरे नंबर पर संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर कालीबाफ रहे जिन्हें 33 लाख वोट मिले और आखिरी नंबर पर रहने वाले मुस्तफा पोरमोहम्मदी को 2 लाख 6 हजार वोट मिले।

बुधवार रात को उपराष्ट्रपति आमिर हुसैन काजीजादेह हाशमी ने अपना नाम वापस ले लिया था। उन्होंने कहा कि रिवॉल्यूशनरी फोर्स की एकता बनाए रखने के लिए उन्होंने ये कदम उठाया है। काजीजादेह हाशमी ने उम्मीद जताई कि रेस में शामिल अन्य उम्मीदवार, मोहम्मद बाकर कालीबाफ, सईद जलीली और अली रजा जकानी रिवॉल्यूशनरी फोर्स को मजबूत करने के लिए चुनाव से पहले आम सहमति पर पहुंच जाएंगे।

जेपी मॉर्गन के जीबीआई-ईएम में शामिल हुआ भारत

- उम्मीद से कम विदेशी निवेश आने पर निवेशक कुछ निराश हुए

नई दिल्ली (ईएमएस)। जेपी मॉर्गन के सरकारी बॉन्ड सूचकांक- इमर्जिंग मार्केट्स (जीबीआई-ईएम) में भारत आधिकारिक रूप से शामिल हो गया मगर पहले दिन सरकारी बॉन्ड की यील्ड सपाट रही। उम्मीद से कम विदेशी निवेश आने पर निवेशक कुछ निराश हो गए, जिसका असर यील्ड पर भी पड़ा। बेंचमार्क बॉन्ड की यील्ड करीब 7 फीसदी रही, जो पहले के मुका बले सपाट ही थी। आईसीआई सीआई सिक्योरिटीज प्राइमरी डीलरशिप के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि हो सकता है कि लोगों ने इससे पहले कुछ खरीदा हो। अन्य डेरिवेटिव भी हैं जिनका कुछ फंडों ने उपयोग किया होगा। इसलिए तत्काल खरीदने की जरूरत नहीं है। वे धीरे-धीरे किस्तों में बॉन्ड खरीद सकते हैं। 10 साल समय अव?धि वाले बेंचमार्क बॉन्ड की यील्ड कारोबार के दौरान बढ़कर 7.02 फीसदी हो गई थी क्योंकि ट्रेडरों ने मुनाफे में अपने बॉन्ड बेच दिए। एक बड़े सरकारी बैंक के एक डीलर ने कहा ?कि जिनके पास बॉन्ड हैं वे पिछले कुछ दिनों से उसकी बिकवाली कर रहे हैं क्योंकि जितना निवेश आने की उम्मीद थी, उतना नहीं हुआ। तिमाही के अंत में कुछ मुनाफावसूली भी हुई है। क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार विदेशी बैंकों ने जून में सेकंडरी मार्केट से 46,954 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्डों की शुद्ध खरीद की। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने पूर्ण सुलभ मार्ग के जरिये इसी महीने 15,616 करोड़ रुपये मूल्य के सरकारी बॉन्ड खरीदे। गुरुवार को सरकारी बॉन्डों में 946 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया था। सितंबर 2023 में जेपी मॉर्गन ने घोषणा की थी कि वह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पूर्ण सुलभ मार्ग (एफएआर) के तहत जारी सरकारी बॉन्डों को अपने जीबीआई-ईएम में शामिल करेगा। सूचकांक में देसी बॉन्ड को 10 महीने में धीरे-धीरे शामिल किया जाएगा। 31 मार्च, 2025 तक हर महीने बॉन्ड का भार 1 फीसदी बढ़ाया जाएगा। इस तरह 10 महीने में भारतीय बॉन्ड का भार बढ़कर चीनी बॉन्ड के बराबर 10 फीसदी हो जाएगा।

पिछले 20 वर्षों में वित्तीय क्षेत्र पर 20,000 साइबर हमले हुए

मुंबई (ईएमएस)। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अनुसार पिछले 20 वर्षों में वित्तीय क्षेत्र पर 20,000 से अधिक साइबर हमले हुए, जिसके परिणामस्वरूप 20 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की दिसंबर 2023 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में ऐसे 25 फीसदी हमले ईमेल और वेबसाइटों में दुर्भावनापूर्ण लिंक पर क्लिक करने से होते हैं। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट का हवाला देते हुए लिखा गया है कि वित्तीय संस्थानों पर साइबर हमलों के 69 प्रतिशत मामले अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा, 19 प्रतिशत शहरी सहकारी बैंकों द्वारा और 12 प्रतिशत गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा रिपोर्ट किए गए। इसके कारण बैंकों ने 2023-24 में अपने बीमा कवर को पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 8 फीसदी बढ़ा दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय संस्थानों को जारी परामर्श में कहा गया है ?कि संभावित साइबर हमलों के संबंध में प्राप्त विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के मद्देनजर विनियमित संस्थाओं को सलाह दी जाती है कि वे इन खतरों से बचाव के लिए निगरानी और तन्यकता क्षमताओं को उन्नत करें।

आरबीआई ने एचएसबीसी पर लगाया 29.6 लाख का जुर्माना

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हांगकांग व शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचएसबीसी) पर 29.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि एचएसबीसी पर यह जुर्माना आरबीआई द्वारा बैंकों के क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और रुपया मूल्यवर्गित सह-ब्रांडेड प्रीपेड कार्ड परिचालन पर जारी कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया है। आरबीआई के अनुसार 31 मार्च 2022 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में उसके द्वारा पर्यवेक्षी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2022) किया गया। इसमें पाया गया कि आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। उस संबंध में संबंधित पत्राचार के आधार पर बैंक को एक नोटिस जारी किया गया था। उसमें बैंक को कारण बताने को कहा गया था और पूछा गया था कि उक्त निर्देशों का पालन करने में विफल रहने के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। आरबीआई ने कहा कि नोटिस पर बैंक के जवाब, व्यक्तिगत पेशी के दौरान दिए गए मौखिक जवाब और उसके द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारी पर गौर करने के बाद उसने पाया कि अन्य बातों के साथ-साथ, बैंक के खिलाफ आरोप साबित होते हैं जिसके लिए मौद्रिक जुर्माना लगाया जाना आवश्यक था। इसमें कहा गया ?कि बैंक यह बताने में विफल रहा कि कुछ क्रेडिट कार्ड खातों में न्यूनतम भुगतान देय की गणना करते समय कोई नकारात्मक परिशोधन नहीं था। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि यह जुर्माना वैधानिक तथा नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका मकसद बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। इसके अलावा मौद्रिक जुर्माना लगाने से आरबीआई द्वारा बैंक के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

चीन के राष्ट्रपति बोले-दुनिया में शांति कायम करने के लिए ये जरूरी-भारत भूला पंचशील सिद्धांत...जिनपिंग ने दिलाई याद

बीजिंग(ईएमएस)। भारत ने शांतिपूर्ण सहअस्तिव के जिस पंचशील सिद्धांत को लागू किया है उसे वह खुद भूल गया है। लेकिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दुनिया में बढ़ रहे संघर्षों पर लगाम लगाने के लिए पंचशील सिद्धांत का जिक्र किया। 28 जून को पंचशील के सिद्धांतों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ थी। इस अवसर पर शी जिनपिंग ने शांतिपूर्ण सहअस्तित्व(पंचशील) के 5 सिद्धांतों का जिक्र किया। भारत ने शांतिपूर्ण सहअस्तिव के पांच सिद्धांतों को 'पंचशील' नाम दिया है।

चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि पंचशील के पांच सिद्धांतों ने समय की मांग को पूरा किया। उन्होंने कहा कि पिछले 70 सालों में बार-बार यह साबित हुआ है कि चुनौतियों का सामना करने और बेहतर भविष्य बनाने का एक प्रभावी तरीका एकता, सहयोग, कम्युनिकेशन और आपसी समझ को बढ़ाना है।

शांतिपूर्ण विकास के रास्ते पर बना रहेगा चीन

जिनपिंग ने इस मौके पर ग्लोबल साउथ में चीन का प्रभाव बढ़ाने पर जोर देने की बात की।

उन्होंने ये भी कहा कि शांतिपूर्ण विकास के रास्ते पर बने रहने, सभी देशों के साथ दोस्ती का व्यवहार रखने और दुनिया भर में साझा विकास को बढ़ावा देने के चीन के संकल्प में कोई बदलाव नहीं आएगा। जिनपिंग ने अपने संबोधन में कहा कि शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के पांच सिद्धांतों की शुरुआत एशिया में हुई, लेकिन जल्द ही ये विश्व मंच पर छा गए। उन्होंने कहा कि पंचशील ने समय की मांग को पूरा किया और इनकी शुरुआत एक ऐतिहासिक घटनाक्रम थी। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि पंचशील सिद्धांत आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय की समान संपत्ति बन चुके हैं।

भारत से कोई नहीं हुआ शामिल

पंचशील समझौते की वर्षगांठ के मौके पर श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे, गयाना के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड रामोतर समेत चीन के करीबी देशों के नेता और अधिकारी शरीक हुए। कुछ रिपोट्र्स के मुताबिक भारत को भी इसमें शामिल होने का आमंत्रण दिया गया था लेकिन कोई अधिकारी इसमें शामिल नहीं हुआ। 29 अप्रैल, 1954 को भारत-चीन और चीन-म्यांमार के बीच सीमा विवाद सुलझाने के लिए तीनों देशों के नेताओं ने संयुक्त रूप से इन सिद्धांतों की नींव रखी थी। चीन में इसे 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत' जबकि भारत में 'पंचशील का सिद्धांत' कहा जाता है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एनलाई ने पंचशील के सिद्धांतों पर सहमति जताई थी।

नासा ने बढ़ाई स्टारलाइनर मिशन की अवधि, अभी धरती पर नहीं लौटेंगी सुनीता

अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेसवॉक में भी आ रही हैं दिक्कतें

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। नासा की भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और एक अन्य साथी स्पेस में फंसे हुए हैं। सुनीता बोइंग स्टारलाइनर के जरिए वह अपने साथी बुच विल्मोर के साथ स्पेस स्टेशन गई थीं और बोइंग कैप्सूल में खराबी के कारण वह वहां फंस गई।

नासा ने अब कहा है कि उसके दोनों अंतरिक्ष यात्री ज्यादा समय तक स्पेस में ही रहेंगे। क्योंकि इंजीनियर बोइंग कैप्सूल में आई खराबी को सुधारने का काम जारी है। नासा ने जमीन पर परीक्षण पूरा होने तक वापसी की तारीख तय नहीं की और कहा कि अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित हैं। नासा के स्टीव स्टिच ने कहा कि हमें अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने की कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा कि नासा स्टारलाइनर के मिशन की अवधि को 45 से बढ़ाकर 90 दिन करने पर विचार कर रहा है।

बता दें पांच जून को दोनों अंतरिक्ष यात्री बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल में सवार होकर अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए थे। सालों की देरी और असफलताओं के बाद बोइंग का यह पहला अंतरिक्ष यात्री लॉन्च था। यह टेस्ट फ्लाइट करीब एक सप्ताह चलने की उम्मीद थी। विल्मोर और विलियम्स के लिए स्टेशन से जुड़ने के दौरान कैप्सूल की जांच के लिए पर्याप्त समय था लेकिन कैप्सूल के थ्रस्टर में खराबी के कारण नासा और बोइंग को समस्या का विश्लेषण करते समय वापसी की उड़ान में देरी करनी पड़ी।

नासा को अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेसवॉक में भी दिक्कतें आ रही हैं। इसी सप्ताह एक अंतरिक्ष यात्री के स्पेससूट से पानी लीक होने के बाद स्पेसवॉक रद्द कर दी गई। समस्या का समाधान नहीं हुआ है और अगले सप्ताह की प्रस्तावित स्पेसवॉक भी रद्द कर दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक स्टारलाइनर की उड़ान से पहले रॉकेट में हीलियम लीक देखने को मिला था। उड़ान के दौरान कई और रिसाव देखे गए। हीलियम का इस्तेमाल थ्रस्टर्स के लिए ईंधन पर दबाव डालने के लिए किया जाता है। पांच फेल थ्रस्टर्स में से चार को ठीक कर लिया गया है। एक थ्रस्टर के ठीक होने की उम्मीद नहीं है।

सुपारी देने की साजिश में आरोपी निखिल अमेरिकी अदालत में पेश

मामले की अगली सुनवाई 13 सिंतबर को

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका में एक खालिस्तानी अलगावावादी की कथित हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश में आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को पहली बार ट्रायल जज के सामने पेश किया गया। फेडरल सीनियर जज विक्टर मारेरो ने सुनवाई के बाद अगली तारीख 13 सितंबर तय की है। अमेरिकी कोर्ट ने कहा है कि अभियोजन पक्ष उस दिन सबूत लेकर आए। खाकी शर्ट और पैंट पहने निखिल को अमेरिकी मार्शल कोर्ट के अंदर ले गए और कार्यवाही शुरू होने से पहले अपने वकील जेफरी चैब्रो के साथ बातचीत की।

पिछले साल जून में अमेरिकी अनुरोध पर निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य में गिरफ्तार कर 14 जून क अमेरिका लाया गया। 17 जून को निखिल को मजिस्ट्रेट जज जेम्स कॉट कि अदालत में पेश किया गया, जिन्होंने उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया। फ्लेचर ने कहा कि गुप्ता ने एक हिटमैन से बात की, हत्या की साजिश के लिए 100,000 डॉलर की कीमत तय की और हिटमैन को 15,000 डॉलर की अग्रिम राशि भी दी। अभियोजक सहायक जिला अटॉर्नी केमिली लाटोया फ्लेचर ने कहा कि जिस व्यक्ति को वह हिटमैन समझता था, वह वास्तव में एक अंडरकवर एजेंट था। फ्लेचर ने कहा कि सरकारी साक्ष्य में गुप्ता से जब्त किया गया फोन शामिल है, जिसमें भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ उसकी बातचीत दर्ज है। इसके अलावा, हिटमैन के साथ गुप्ता की बातचीत के वीडियो और ऑडियो भी हैं। गुप्ता के वकील चैब्रोवे ने गुप्ता के लिए सुरक्षा देने का अनुरोध किया, लेकिन जमानत नहीं मांगी। मैरेरो ने कहा कि बचाव पक्ष को मामले की तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा।

भविष्य में धूम्रपान से भी ज्यादा जोखिम है डिमेंशिया

-हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, डायबिटीज, शिक्षा और धूम्रपान है प्रमुख जोखिम

वाशिंगटन (ईएमएस)। धूम्रपान से भी ज्यादा जोखिम भविष्य में डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) के मामलों को बढ़ा सकता है। हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, डायबिटीज, शिक्षा और धूम्रपान समेत आनुवंशिक (जेनेटिक) और पर्यावरणीय कारकों का मिलना मनोभ्रंश रोग के लिए प्रमुख जोखिम फैक्टर है। यह खुलासा हुआ एक ताजा अध्ययन में।

शोधकर्ताओं ने कहा, यूरोप और अमेरिका में भी धूम्रपान के स्तर में कमी आई है, क्योंकि यह सामाजिक रूप से अब कम स्वीकार्य होने के साथ ज्यादा महंगा हो गया है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि समय के साथ इन जोखिमों के प्रसार में किस प्रकार परिवर्तन आया है। शोधकर्ताओं की टीम ने 1947 और 2015 के बीच जुटाए गए आंकड़ों और 2020 में प्रकाशित लेटेस्ट शोधपत्र के आधार पर विश्व स्तर पर मनोभ्रंश से पीड़ित लोगों से जुड़े 27 शोधपत्रों का विश्लेषण किया। परिणामों से पता चला कि निम्न शिक्षा और धूम्रपान करने वालों की संख्या में समय के साथ कमी की वजह से डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) की दरों में गिरावट आई है। समय के साथ मोटापे और डायबिटीज की दरें बढ़ी हैं। साथ ही मनोभ्रंश के जोखिम में भी इनका योगदान बढ़ा है।

ज्यादातर अध्ययनों में हाइपरटेंशन (हाई ब्लड प्रेशर) सबसे बड़ा डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) का कारण बनकर उभरा है। यूसीएल साइकियाट्री की प्रमुख लेखिका नाहिद मुकदम ने कहा, समय के साथ हृदय संबंधी जोखिम ने डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) के जोखिम को और अधिक बढ़ा दिया है। इसलिए भविष्य में मनोभ्रंश की रोकथाम के प्रयासों के लिए इन पर ज्यादा ध्यान देकर कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्तर समय के साथ कई उच्च आय वाले देशों में बढ़ा है। जिसका मतलब है कि यह डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) का कम महत्वपूर्ण जोखिम कारक बन गया है।

भारत को कार्बन उत्सर्जन घटाने 1.5 अरब डॉलर का ऋण देगा विश्व बैंक

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व बैंक ने कम कार्बन उत्सर्जन वाले ऊर्जा उत्पादन के विकास में तेजी लाने के लिए दूसरे ऑपरेशन के तहत भारत को 1.5 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। विश्व बैंक ने वाशिंगटन में बताया कि लो-कार्बन एनर्जी प्रोग्रामेटिक डेवलपमेंट पॉलिसी ऑपरेशन का दूसरा चरण ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रोलाइजर के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सुधारों में मददगार होगा, जो ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण तकनीक है। यह ऑपरेशन सरकार की ऊर्जा सुरक्षा और विश्व बैंक की हाइड्रोजन फॉर डेवलपमेंट (एच4डी) भागीदारी के अनुरूप है। विश्व बैंक के अनुसार सुधारों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2025-26 से प्रति वर्ष कम से कम 4,50,000 टन ग्रीन हाइड्रोजन और 1,500 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर का उत्पादन होने की उम्मीद है। इसके अलावा यह अक्षय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष पांच करोड़ टन कमी लाने में भी महत्वपूर्ण रूप से मदद करेगा। यह ऑपरेशन राष्ट्रीय कार्बन क्रेडिट बाजार को और विकसित करने के कदमों का भी समर्थन करेगा।

दक्षिण गुजरात में आज भारी बारिश का अलर्ट, राजकोट में मूसलाधार बारिश

सौराष्ट्र के जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, गिर-सोमनाथ और दीव जिलों में भारी से ज्यादा भारी बारिश की संभावना है

अहमदाबाद, २९ जून । गुजरात के विभिन्न हिस्सों में मॉनसून ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। नतीजतन गुजरात के अधिकांश हिस्सों में झमाझम बारिश हो रही है। इस बीच मौसम विभाग ने दक्षिण गुजरात के कुछ जिलों में ऑरेंज और सौराष्ट्र के कुछ जिलों में तेज बारिश का येलो अलर्ट दिया है। आज भी पूरे राज्य में आंधी-तूफान की आशंका है।

राजकोट में सुबह से ही मूसलाधार बारिश हो रही है। कल सूरत समेत दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। शनिवार सुबह ६ बजे तक समाप्त हुए पिछले २४ घंटों में राज्य के १५९ तालुकाओं में बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा साढ़े चार इंच बारिश नवसारी में हुई है।

आज राज्य में बनासकांठा, पाटन, महेसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अरावली, खेड़ा, अहमदाबाद, आणंद, पंचमहल, दाहोद, महिसागर, वडोदरा, छोटा उदेपुर, नर्मदा, भरूच, सूरत, डांग, तापी, नवसारी, वलसाड, दमन, दादरा नगर हवेली और सौराष्ट्र के सुरेंद्रनगर, राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, मोरबी, द्वारका, गिर सोमनाथ, बोटाद, कच्छ और दीव में कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग की ओर से जारी ताजा अपडेट के मुताबिक, सौराष्ट्र और कच्छ में मॉनसून पूरी तरह एक्टिव हो गया है। बीते २४ घंटे के दौरान दक्षिण गुजरात क्षेत्र के छोटा उदयपुर जिले में अलग-अलग स्थानों पर और सौराष्ट्र के जूनागढ़ और द्वारका जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हुई।

मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण गुजरात और आसपास के क्षेत्रों में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसके प्रभाव से दक्षिण गुजरात में जोरदार बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले २४ घंटे के दौरान गुजरात रीजन के वलसाड, दमन, दादर और नगर हवेली जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से ज्यादा भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं, सौराष्ट्र के जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, गिर-सोमनाथ और दीव जिलों में भारी से ज्यादा भारी बारिश की संभावना है। इसको लेकर भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बनासकांठा जिले में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी से ज्यादा भारी बारिश की संभावना है। इसको लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

कच्छ में हुई बारिश के चलते नदी-नालों में उफान आ गया है। कच्छ के लकड़िया-खोड़ासर के बीच नदी में तेज बहाव आ गया। इस दौरान मवेशी पालकों के सामने नदी के किनारे खड़ीं १५ भैंसें पानी में बह गईं। एक मवेशी पालक ने बताया कि करीब १५ भैंसें नदी के तेज बहाव में फंस गईं थीं। नदी किनारे खड़े लोग देखकर चिल्लाने लगे। भैंसें करीब आधा किलोमीटर तक बहती चली गईं। इसके बाद जैसे-तैसे भैंसें अपने आप बाहर निकल गईं।

राज्यपाल या फिर केंद्र में संभालेंगे बड़ी जिम्मेदारी

PM मोदी के करीबी अफसर के कैलाश नाथन की 11 साल बाद गुजरात से विदाई

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन ने आखिरकार सीएमओ छोड़ दिया है। वह 2006 से इस कार्यालय में विभिन्न पदों पर कार्यरत थे। 2013 में उनकी सेवानिवृत्ति के बाद भी कैलाशनाथन की सेवाएं मुख्यमंत्री कार्यालय में बार-बार बढ़ाई गई थी। के कैलाशनाथन का कार्यकाल खत्म होने के बाद उनकी नई भूमिका को लेकर अटकलें लग रही है।

अहमदाबादः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वस्त अफसरों में शामिल के कैलाशनाथन क्या अब केंद्र में किसी जिम्मेदारी को संभालेंगे या फिर वे किसी राज्य के गवर्नर बनेंगे? गुजरात की राजनीतिक हलकों में यह चर्चा इसलिए छिड़ गई है क्योंकि 2013 से लगातार एक्स्टेंशन के जरिए मुख्यमंत्री कार्यालय में जमे के कैलाशनाथन का विस्तारित कार्यकाल भी पूरा हो गया है। केंद्र सरकार ने उनकी आगे की भूमिका के बारे में कोई ऐलान नहीं किया है। ऐसे में अटकलें लग रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेहद करीबी अफसरों में शामिल के कैलाशनाथन को क्या कोई नई जिम्मेदारी मिलने जा रही है? क्योंकि गुजरात में उन्हें एक्स्टेंशन नहीं मिलने के कारण विदाई के तौर पर देखा जा रहा है। के कैलाशनाथ की गिनती गुजरात के सबसे ताकतवर अफसर में होती थी। उन्हें पॉवर कॉरीडोर में केके के नाम से जाना जाता है। के कैलाशनाथन की गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यालय में साल 2006 में एंट्री हुई थी। तब से वह मुख्यमंत्री कार्यालय में ताकतवर अफसर थे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने के कैलाशनाथन के विदाई की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है। सीएम ने लिखा है कि मेरे कार्यालय में मुख्य प्रधान सचिव के रूप में सेवाएं देकर श्री के. कैलाशनाथनजी 30 जून 2024 को स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 2006 से उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी के कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रधान सचिव के रूप में कार्य किया है। 2013 में अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में सिविल सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रधान प्रधान सचिव के रूप में कार्य किया है। उनका प्रशासनिक कौशल, सार्वजनिक मुद्दों की गहरी समझ और व्यवहारकुशल कार्यशैली उनके पूरे कार्यकाल में प्रमुख विशेषताएं रहीं। कैलाशनाथन जी को स्वस्थ, फिट और स्वस्थ सेवानिवृत्ति के लिए मेरी शुभकामनाएं।

सरकार के अंशकालीन कर्मचारी समान काम और समान वेतन के हकदार नहीं : हाईकोर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार के अंशकालीन कर्मचारी समान काम और समान वेतन की मांग नहीं कर सकते। कोर्ट ने चतुर्थ श्रेणी के अंशकालीन कर्मचारियों को स्थायी नियुक्ति करने का आदेश देने से इंकार कर दिया। हाईकोर्ट ने यह फैसला जामनगर की पश्चिम गुजरात बिजली कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) के एक मामले में सुनाया है। न्यायधीश जेसी दोशी ने सुप्रीम कोर्ट और गुजरात हाईकोर्ट की डिविजन बैंच के पहले फैसलों को हवाला भी दिया। न्यायधीश ने स्पष्ट किया कि अंशकालीन कर्मचारी निश्चित की गई जगह पर काम नहीं करते, इसलिए वह स्थायी नियुक्ति के हकदार नहीं हैं। ऐसे अस्थायी अंशकालीन कर्मचारियों को स्थायी नियुक्ति देने का कोर्ट आदेश नहीं दे सकती। इतना ही नहीं अंशकालीन कर्मचारी सरकारी संस्थाओं में समान काम के लिए समान वेतन के सिद्धांत के तहत स्थायी कर्मचारी जितना वेतन भी नहीं मांग सकते। निजी संस्थाओं में पूर्णकालीन कर्मचारी भी सरकारी कर्मचारियों के वेतनमान के मुताबिक वेतन नहीं मांग सकते। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है कि अंशकालीन कर्मचारियों को स्थायी करने का आदेश देने का अधिकार हाईकोर्ट को भी नहीं है। अगर ऐसे कर्मचारियोंको स्थायी करना हो तो नियमित नियुक्ति की पसंदगी के जरिए ही की जा सकती है। इसी के साथ हाईकोर्ट ने पीजीवीसीएल की सर्कल ऑफिस में कार्यरत सफाईकर्मी को स्थायी करने के जामनगर के न्यायधीश के आदेश को रद्द कर दिया।

बेलगाम डम्पर ने बाइक को चपेट में लिया, एक युवक की मौत

साबरकांठा (ईएमएस) प्रांतिज के सादोलिया के निकट एक बेलगाम डम्पर ने बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे गंभीर हालत में हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक साबरकांठा जिले की प्रांतिज तहसील में सादोलिया के निकट रेत की ढुलाई करने वाले एक डम्पर ने बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। डम्पर चालक की लापरवाही से हुए इस हादसे में बाइक सवार चेतनसिंह भवानसिंह राठौड़ नामक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि अरविंदसिंह राठौड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। अरविंदसिंह को गंभीर हालत में हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर पहुंची प्रांतिज पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। हादसे में मारे गए चेतनसिंह राठौड़ के तीन साल का एक बेटा है और पत्नी गर्भवती है।

चार्जिंग में लगी ई-मोपेड की बैटरी ब्लास्ट से लोगों में मची अफरातफरी

सूरत (ईएमएस) शहर के डिंडोली क्षेत्र में चार्जिंग पर लगी ई-मोपेड की बैटरी में ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट के बाद आसपास रहनेवाले लोगों में अफरातफरी मच गई जबकि जिस घर में ब्लास्ट हुआ था, वहां के लोग छत पर चढ़ गए। ब्लास्ट के बाद लगी आग में कुर्सी-टेबल जल गए। बता दें कि कुछ दिन पहले सूरत के गोडादरा क्षेत्र में इसी प्रकार ई-मोपेट की बैटरी में धमाके के बाद घर में आग लग गई थी। इस घटना में पिता-पुत्री गंभीर रूप से झुलस गए थे जिसमें बेटी की मौत हो गई थी। अब सूरत के डिंडोली क्षेत्र से ई-मोपेड की बैटरी में धमाके की खबर सामने आई है। राहत की बात है कि इसमें कोई जानहानि नहीं हुई। जानकारी के मुताबिक सूरत के डिंडोली क्षेत्र के मिलेनियम पार्क निवासी नीमाराम चौधरी के घर के बाहर ई-मोपेड की बैटरी चार्जिंग पर लगी थी। उस वक्त अचानक बैटरी में ब्लास्ट हो गया और आग भड़क उठी। आग और धुआं देख चौधरी परिवार इतना डर गया कि घर की छत पर चला गया। ब्लास्ट के बाद आसपास रहनेवाले लोगों में भी अफरातफरी मच गई। खबर पाते ही फायर विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और आग पर काबू पाकर 15 मिनट में स्थिति सामान्य की। आग की इस घटना में चौधरी परिवार के घर में रखी कुर्सी-टेबल समेत ई-मोपेड जलकर राख हो गई। राहत की बात है कि इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई।

मुंबई बम धमाकों के बाद युवक को मिली 3 रिवॉल्वर, 31 साल बाद पुलिस के हाथ लगी

सूरत (ईएमएस) शहर के डुंभाल क्षेत्र के एक घर में एसओजी ने रेड कर 3 रिवॉल्वर के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। तीनों रिवॉल्वर युवक को 31 साल पहले मुंबई में हुए बम धमाकों के बाद मिली थी, जिसे पुलिस को देने के बजाए अपने पास रख लिया था और दो साल बाद सूरत आकर बस गया था। दरअसल आगामी रथयात्रा को ध्यान में रखते हुए सूरत पुलिस आयुक्त अनुपसिंह गहलोत कानून-व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इस दौरान शहर में किसी प्रकार की अनिच्छनीय घटनाओं को रोकने और गैरकानूनी हथियार रख लोगों में दहशत फैलाने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर है। इस बीच एसओजी के पीएसआई एपी जेबलिया को सूचना मिली कि डुंभाल में रहनेवाले एक युवक ने अपने घर में तीन रिवॉल्वर छिपा रखी है। सूचना के आधार पर एसओजी की टीम ने डुंभाल के बालाजी हनुमान मंदिर के निकट अंबिका एपार्टमेंट निवासी मेहुल नरेशचंद्र ठक्कर के फ्लैट में रेड की। इस कार्यवाही में मेहुल ठक्कर के घर से पुलिस को रु. 1.50 लाख कीमत की तीन रिवॉल्वर बरामद हुई। पुलिस ने तीन रिवॉल्वर के साथ मेहुल ठक्कर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में मेहुल ठक्कर ने बताया कि वर्ष 1993 में मुंबई के शेयर बाजार समेत शहर सिलसिलेवार हुए बम विस्फोट में उसके पिता की मौत हो गई थी। बम विस्फोट के बाद मेहुल ठक्कर को विरार रोड से कपड़े की एक थैली में तीन रिवॉल्वर मिली थी। मेहुल ठक्कर तीनों रिवॉल्वर लेकर अपने घर पहुंचा। मुंबई बम विस्फोट के दो साल बाद मेहुल ठक्कर सूरत आ गया। 1995 में घर का सामान मुंबई से सूरत शिफ्ट करने के दौरान मेहुल तीनों रिवॉल्वर भी छिपाकर लाया था और तबसे अपने घर में रखे हुए था। फिलहाल पुलिस ने मेहुल ठक्कर को तीन रिवॉल्वर के साथ गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

गटर में गिरी 5 साल की बच्ची का 22 घंटों बाद शव नदी से बरामद

नवसारी (ईएमएस) बिलिमोरा में गटर में गिरी बच्ची का शव बरामद हो गया है। पांच साल की बच्ची का शव करीब 22 घंटों के बाद अंबिका नदी किनारे से मिला है। बच्ची का शव मिलने के बाद परिवार में शोक व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक नवसारी जिले की बिलिमोरा शहर में वखारिया के निकट पांच साल की एक बच्ची गटर में गिर गई थी। घटना के बाद बिलिमोरा नगर पालिका का फायर विभाग की टीम ने अंबिका नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया, जिसमें एनडीआरएफ की भी मदद ली। 22 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन में बच्ची का शव अंबिका नदी के पट में वघारिया के निकट से बरामद हुआ है। बता दें कि नवसारी जिले के बिलिमोरा में भारी बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। बिलिमोरा का वखारिया रोड स्थित जीवनज्योत एपार्टमेंट क्षेत्र में रहनेवाली 5 वर्षीय बच्ची के लापता होने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। सीसीटीवी की जांच में बच्ची के घर के निकट गटर में गिरने का पता चला। जिसके बाद फायर विभाग को घटना की सूचना दी गई।

नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में न आना पड़े;ऐसी समस्या निवारण व्यवस्था जिला स्तर पर सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर 29जूनःमुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के जिला कलेक्टरों तथा जिला विकास अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा है कि नागरिकों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम तक आना ही न पड़े;समस्या निवारण की ऐसी सुचारु व्यवस्था जिला स्तर पर ही सुनिश्चित की जाए।

इस संदर्भ में श्री पटेल ने कहा कि यदि स्थानीय प्रशासन आम आदमी की छोटी-बड़ी समस्याओं का जिला स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में ही निवारण कर दे, तो उसे राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में गांधीनगर तक आने की जरूरत नहींपड़ेगी।

श्री पटेल ने शनिवार को जन शिकायत निवारण के ऑनलाइन उपक्रम राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में प्रस्तुति के लिए आए आवेदकों को सुना और उनकी शिकायतों के त्वरित व उचित निवारण के लिए सम्बद्ध जिला कलेक्टरों तथा विकास अधिकारियों को निर्देश दिए।

जून 2024 के इस राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष उद्योग, शहरी विकास, राजस्व, सड़क एवं भवन, अवैध निर्माण हटाने तथा सरकारी परती भूमि में अतिक्रमण हटाने जैसे विषयों को छूने वाली समस्याएँ प्रस्तुत हुईं।

मुख्यमंत्री ने अवैध निर्माण, भूमि मापन की क्षतियों जैसे विषयों में कड़ाई से काम लेने का भी सभी जिलों के प्रशासन को निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में नियमित रूप से हर महीने के चौथे गुरुवार को आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय 'स्वागत' ऑनलाइन शिकायत निवारण कार्यक्रम इस बार शाला प्रवेशोत्सव के कारण 27 जून गुरुवार के स्थान पर 29 जून शनिवार को आयोजित हुआ।

इस कार्यक्रम की इस कड़ी में लगभग 12 शिकायतों के आवेदन प्रस्तुत किए गए। जून महीने के दौरान जिला, तहसील एवं ग्रामीण स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में प्रस्तुत कुल 2145 शिकायतों में 1551 यानी 72.31 प्रतिशत शिकायतों का सुखद निवारण कर दिया गया है।

इस राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में गांधीनगर से अपर मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) श्री धीरज पारेख तथा मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य के जिलों में कलेक्टर, जिला विकास अधिकारी एवं जिला प्रशासनिक अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम में सहभागी हुए।

एसीपी ऑफिस में भाजपा नेता की बर्थ डे पार्टी पर पुलिस ने की स्पष्टता

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर पुलिस कंट्रोल के डीसीपी ने एसीपी ऑफिस में भाजपा नेता की बर्थ डे पर कैक काटने की घटना को लेकर स्पष्टता की है जिसमें कहा गया है कि एसीपीऑफीस में भाजपा नेता की बर्थ डे को लेकर नहीं बल्कि रक्तदान शिबिर के उपलक्ष्य में कैक काटा गया था। एसीपी ऑफिस का जो वीडियो वायरल हुआ है उसमें पुलिस की छवि को लेकर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। डीसीपी कोमल व्यास ने बताया कि शहर में भगवान जगन्नाथ जी की 147 रथयात्रा के दौरान पुलिस सुरक्षा काफी महत्वपूर्ण रहती है। हिन्दू और मुस्लिम समेत सर्वधर्म समभाव के लिए 23 जून 2024 को दरियापुर पुलिस थाना क्षेत्र में रक्तदान शिबिर का आयोजन किया गया था जिसमें स्थानीय लोगों समेत पुलिस, शाहीबाग आर्मी केन्टोन्मेंट के जवानों ने 670 यूनिट रक्तदान किया था। उन्होंने कहा कि एसीपी एफ डिवीजन की कचहरी जो दरियापुर पुलिस थाना क्षेत्र में है और वहीं रक्तदान शिबिर का आयोजन किया गया था। रक्तदान शिबिर के बाद वहां उपस्थित अधिकारी और कर्मचारियों ने आगामी रथयात्रा को लेकर चर्चा की थी।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी के लिए उनके पैतृक गांव में प्रार्थना का दौर

मेहसाणा (ईएमएस) अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी के लिए उनके पैतृक गांव उत्तर गुजरात के झूलासन गांव में लगातार प्रार्थना दौर जारी है। गांव के लोग और स्कूल के बच्चों ने आज अखंड ज्योत प्रज्वलित की और पूरे गांव में घुमाने के बाद दोला माता के मंदिर में आरती कर सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी को लेकर प्रार्थना की। बता दें कि अमेरिका की ओर से विशेष मिशन पर अंतरिक्ष स्टेशन भेजे गए अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल वहीं स्पेसक्रॉफ्ट में खराबी आने के कारण फंस गया है। अंतरिक्ष जानेवाले यात्रियों में भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स भी शामिल हैं। सुनीता विलियम्स का पैतृक गांव उत्तर गुजरात के मेहसाणा जिले की कड़ी तहसील का झूलासन है। जहां सुनीता विलियम्स के अंतरिक्ष में फंसने की खबर के बाद उनकी सुरक्षित वापसी की दुवा की जा रही है। झूलासन गांव स्थित स्कूल के आचार्य एपी प्रजापति ने बताया कि सुनीता विलियम्स के अंतरिक्ष में फंसे होने की खबर के बाद कल गांव के दोला माता के मंदिर में प्रार्थना की थी। आज स्कूल में अखंड ज्योति प्रज्वलित कर बच्चों ने उसे पूरे गांव में घुमाया और दोला माता के मंदिर में रख दिया और सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी के लिए देवी माता से प्रार्थना की है।

टर्मिनल के बाहर यात्री पिकअप ड्रॉप क्षेत्र में छत का हिस्सा गिरा

राजकोट, २९ जून । राजकोट के हीरासर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल पर मानसून की भारी बारिश से बड़ा हादसा हो गया है। टर्मिनल के बाहर यात्री पिकअप ड्रॉप क्षेत्र में छत का हिस्सा गिर गया। तेज हवाओं के कारण शेड एकदम से ढह गया। इसका २०२३ में ही लोकार्पण हुआ था। गनीमत ये रही कि जब ये हादसा हुआ तब इस छत के नीचे कोई नहीं था।

राजकोट में दिल्ली जैसा हादसा देखने को मिला है। राजकोट के हीरासर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल पर मानसून की भारी बारिश से बड़ा हादसा हो गया है। टर्मिनल के बाहर यात्री पिकअप ड्रॉप क्षेत्र में छत का हिस्सा गिर गया।

तेज हवाओं के कारण पिकअप ड्रॉप क्षेत्र में कैनोपी (छतरी) का हिस्सा एकदम से गिर गया। इसका २०२३ में ही लोकार्पण हुआ था। गनीमत ये रही कि जब ये हादसा हुआ तब इस छत के नीचे कोई नहीं था, नहीं तो दिल्ली एयरपोर्ट जैसा हादसा हो सकता था।दिल्ली एयरपोर्ट पर भी भारी बारिश के चलते टर्मिनल १ की छत गिर गई थी। हादसे में एक कैब ड्राइवर की मौत हो गई थी। इस दौरान ६ अन्य लोग भी घायल हो गए थे। एयरपोर्ट की छत का हिस्सा गिरने से कई कारें उसके नीचे दब गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जब हासदा हुआ तब एकदम से लोहे के बीम कारों पर गिर गए और लोग चीखते हुए मदद मांग रहे थे।

पीएम मोदी ने भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी को प्रमुखता दी : मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विकसित भारत की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना साकार करने में गुजरात को फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी के अधिकतम् विनियोग से अग्रसर रखने का संकल्प व्यक्त किया है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि विकसित भारत@2047 के लिए विकसित गुजरात का जो रोडमैप बनाया गया है, उसमें भी फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी को प्रमुखता दी गई है। पटेल शनिवार को गांधीनगर में राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी यानी डीएसटी) द्वारा डीप टेक्नोलॉजी के रूप में तीन महत्वपूर्ण मोमेरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) और कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम अंतर्गत एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) पर हस्ताक्षर तथा दस्तावेजों के आदान-प्रदान के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री की प्रेरक उपस्थिति में जो एमओयू हुए हैं, उनके अंतर्गत माइक्रोसॉफ्ट तथा गुजरात सरकार का डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी; दोनों मिल कर गिफ्ट सिटी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना करेंगे। इस सेंटर में मशीन लर्निंग, कोग्निटिव सर्विसेज तथा बोट सर्विस जैसी मुख्य टेकनोलॉजी का उपयोग किया जाएगा। ये टेक्नोलॉजियाँ विभिन्न क्षेत्रों के पायलट प्रोजेक्ट्स, सफल पायलट प्रोजेक्ट्स का रोलआउट तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगी। एआई सेंटर नागरिकों को प्रभावी, समयबद्ध सेवा पहुँचाने, मूलभूत स्तर पर नवीनता को प्रोत्साहन देगा तथा उत्पाद, हेल्थकेयर व शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में टेक्नोलॉजिकल प्रगति को गति देकर सरकार एवं उद्योग; दोनों के लिए विस्तृत सहयोग प्रदान करेगा। नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड कंपनीज (नैसकॉम) के साथ हुए एमओयू के तहत राज्य की एआई क्षमताओं को अधिक मजबूत किया जाएगा। नैसकॉम विभिन्न क्षेत्रों के एआई सॉल्यूशन्स विकसित करने, पायलट प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन एवं विभिन्न सरकारी विभागों व निजी क्षेत्रों में एआई मॉडल्स को अपनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नैसकॉम इस केन्द्र का संचालन करेगा तथा गुजरात इन्फॉर्मेटिक्स लिमिटेड (जीआईएल) द्वारा एआई सेंटर में जरूरी ऑपरेटिंग सिस्टम और शेष वित्तीय कोष प्रदान किया जाएगा। माइक्रोसॉफ्ट एवं नैसकॉम के साथ यह समझौता पाँच वर्ष के लिए किया गया है, जिसके चलते समझौते के बाद एआई सेंटर को तुरंत ही शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इन एमओयू को एआई एवं डिजिटल इन्फॉर्मेशन में गुजरात को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट स्थान देने की दिशा में उल्लेखनीय कदम बताया। उन्होंने जोड़ा कि इतना ही नहीं; ये एमओयू डिजिटल इकोसिस्टम को प्रोत्साहन देकर, नवीनता को आगे बढ़ाने के साथ डिजिटल क्षेत्र में युवाओं का अधिक रोजगार का सृजन भी करेंगे। राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंटरनेशनल बिजनेस मशीन्स (आईबीएम) के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत एआई का उपयोग बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विसेज में किया जाएगा तथा इंश्योरेंस क्षेत्र के लिए एआई क्लस्टर स्थापित किया जाएगा।

आईबीएम गिफ्ट सिटी में उसके वॉट्सन-एक्स नामक प्लेटफॉर्म के माध्यम से एआई टेक्नोलॉजी का उपयोग करेगी और गिफ्ट सिटी में कार्यरत बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विसेज तथा इंश्योरेंस से जुड़ी कंपनियों द्वारा इनोवेटिव और अधिक प्रभावशाली सेवाएँ विकसित की जा सकेंगी। आईबीएम की टेक्नोलॉजी का उपयोग भारत के लगभग ८० प्रतिशत वित्तीय संस्थान करते हैं। आईबीएम के इस अत्याधुनिक एआई प्लेटफॉर्म तथा क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर के उपयोग से गिफ्ट सिटी में स्थित फिनटेक कंपनियों को वित्तीय लेन-देन में उपयोग किए जा सकने वाले एआई सॉफ्टवेयर्स विकसित करने में मदद मिलेगी। आईबीएम की यह सुविधा बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विसेज तथा इंश्योरेंस सेक्टर में कार्यरत संस्थानों को एआई आधारित डिजिटल सॉल्यूशन विकसित कर एआई आधारित सेवाएँ प्रदान करने में सहायक होगी। इसके अतिरिक्त; आईबीएम राज्य के स्कूलों-यूनिवर्सिटियों में एआई का पाठयक्रम विकसित करने में सहयता करेगा।

आईबीएम इंडिया-साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल ने इस अवसर पर कहा कि एआई किसी भी देश के आर्थिक विकास तथा सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एआई समय की मांग है और भविष्य में एआई भारत के विकास के लिए ड्राइविंग फोर्स के रूप में काम करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत आगामी समय में विश्व का स्किल कैपिटल बनेगा और उसमें गुजरात का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती मोना खंधार ने स्वागत संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने बायो टेक्नोलॉजी (बीटी), आईटी, ई-गवर्नेंस तथा डिजिटल क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं।

गिफ्ट सिटी के प्रबंध निदेशक तपन रे ने कहा कि जो देश नई टेक्नोलॉजी का सबसे लाभ लेते हुए उसे अपनाता है, उस देश का आर्थिक विकास तेजी से होता है। भारत आज एआई को अपना कर विकास की गति को तेज बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आगामी समय में भारत की युवा पीढ़ी एआई की ड्राइविंग फोर्स बनेगी। उन्होंने गिफ्ट सिटी एवं एआई और एआई एवं कौशल विकास में गिफ्ट सिटी की विभिन्न पहलों की विस्तार से चर्चा की। इस कार्यक्रम के दौरान जीटीयू के वाइस चांसलर डॉ. राजुल गज्जर, एआई-माइक्रोसॉफ्ट लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डाइरेक्टर वेंकटेशन कृष्णन, आईआईटी-गांधीनगर के डीन प्रो. अमित प्रशांत, आईबीएम, माइक्रोसऑप्ट, नैसकोम के एआई तथा आईटी से जुड़े टेक्नोक्रेट्स और राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के उच्चाधिकारी व आमंत्रितगण उपस्थित रहे।

मां ने झाड़ियों में फेंका नवजात, श्वानों के भौंकने पर महिला ने बचाई जान

अहमदाबाद, २९ जून । अहमदाबाद के बोपल थाना इलाके में गुरुवार को यह घटना हुई। इसमें खोजी श्वान ने दुपट्टे के जरिए मां को खोजा निकाला। गृह राज्यमंत्री ने पुलिस, खोजी श्वान और महिला के प्रयास की सराहना की है।

ममता को शर्मसार करने वाली एक और घटना अहमदाबाद में सामने आई है। इसके साथ ही आवारा श्वानों और जागरुक महिला की मानवता का भी उदाहरण देखने को मिला। दरअसल अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस के बोपल थाना इलाके में शीलज गांव के रोहितवास के पास झाड़ियों में एक युवती ने अपने नवजात बच्चे को जन्म देने के बाद गुरुवार सुबह फेंक दिया। यहां बच्चे को फेंकने के चलते आवारा श्वान भौंकने लगे।

इसी दौरान यहां पास में रहने वाली रही श्वेता परमार नाम की महिला ने सतर्कता दिखाई और जहां श्वान भौंक रहे थे, वहां जाकर देखा तो वहां एक नवजात झाड़ियों में पड़ा था। वह जिंदा हालत में था, रो रहा था, जिससे उसने नवजात को गोद में लिया। पुलिस को सूचना दी। नवजात को पास के अर्बन हेल्थ सेंटर और फिर वहां से सोला सिविल अस्पताल लेकर पहुंची, जिससे नवजात बालक की जिंदगी बच गई।

अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस के अनुसार इस घटना की सूचना मिलने पर टीम घटनास्थल पर पहुंची। वहां पर उसे एक दुपट्टा मिला। ग्रामीण पुलिस ने अपने खोजी श्वान चेज़र की मदद ली। चेजर ने मौके पर मिले दुपट्टे को सूंघने के बाद कुछ ही देर में इस नवजात बालक को झाड़ियों में फेंकने वाली उसकी मां को खोज निकाला।पुलिस ने बताया कि खोजी श्वान चेजर दुपट्टा सूंघने के बाद घटनास्थल से बमुश्किल पांच सौ मीटर दूरी पर स्थित एक मकान में पहली मंजिल पर पहुंचा। इस मकान में रहने वाली एक युवती को देखकर वह लगातार भौंकने लगा। पुलिस ने उस युवती से पूछताछ की तो पूरे घटना की तस्वीर साफ हो गई। यह युवती राजस्थान की रहने वाली है। अविवाहित है। उसे एक युवक से प्रेम संबंध थे। इस दौरान उसे गर्भ ठहर गया, जिससे उसने इस नवजात बालक को जन्म दिया। लोकलाज और बदनामी के डर से उसने अपने नवजात बालक को यहां पास ही झाड़ियों में फेंक दिया था। पुलिस का कहना है कि नवजात बालक की हालत अच्छी है।

डुमस से बैन हो चुकी 500 और 100 के दर के 75 लाख की नोटों के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) नवंबर 2016 में बैन हो चुकी रु. 500 और रु. 1000 के दर के 75 लाख की नोटें सूरत पुलिस ने डुमस से बरामद की हैं। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन सूरत के और एक नवसारी का निवासी है। जानकारी के मुताबिक सूरत के डुमस में भीमपोर क्षेत्र के एक मकान में पुलिस ने रेड कर चार शख्सों को रु. 75 लाख के पुराने नोटों के साथ दबोच लिया। घटनास्थल से बरामद किए गए रु. 500 और रु. 1000 दर के वह नोट हैं जिसे 8 नवंबर 2016 को बैन कर दिया गया था। पुलिस ने पुराने नोटों के साथ नरेश रणछोड़ पटेल, विनित रजनीकांत देसाई, मोहमद सादिक मोहमद सफी शेख और मनीष राजपूत नामक चार शख्सों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए चारो आरोपी जमीन दलाली के व्यवसाय से जुड़े हैं। सरकार द्वारा प्रतिबंधित पुराने नोट आखिर इनके पास आए कहां से? किस प्रकार इन नोटों का उपयोग किया जाना था? पुलिस ने इन सारे सवालों को लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8 नवंबर 2016 की रात रु. 500 और रु. 1000 के दर के नोट पर प्रतिबंध लगा दिया था। जिसके बाद रु. 500 और रु. 2000 के दर नए नोट जारी किए गए थे। करीब आठ साल बाद रु. 500 और रु. 1000 दर के 75 लाख के नोट मिलना चौंकानेवाली घटना है।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

विभिन्न कार्य के संबंध में टेलीकॉम कार्य

निविदा सूचना सं. S&T/BRC/24-25/04/TEL-R दिनांक: 24-06-2024

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से कार्यरत वरिष्ठ Sr.DSTE/वडोदरा निविदा सं. SandT_BRC_24-25_04_TEL-R. के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बिडर्स उनके प्रमाणित/ संशोधित बिड़ केवल बंद होने की तारीख और समय तक जमा कराने के लिए समर्थ रहेगें, यह निविदा के लिए मैन्युअल ऑफर्स की अनुमति नहीं है एवं किसी भी प्रकार के ऐसे मैन्युअल ओफर को ध्यान में नहीं लिया जायेगा। **(1) कार्य का नाम उसके स्थान सहित:** (1) वडोदरा मंडल :- अमृत भारत स्टेशन योजना (ABSS) के संबंध में AKV, BH, DRL, MHD, DB, KIM, SYN, MYG एवं PRTN पर 12M चौडे FOB अंतर्गत (22 नंग) पैसेन्जर एलिवेटर्स (लिफ्ट्स) के प्रावधान। (2) वडोदरा मंडल :- BG अनुभागों पर महत्वपूर्ण (03) NSG-5 और NSG-6 स्टेशनों PTD, BDE, CTD अंतर्गत संशोधित MEA मानदंड अनुसार PFs की उच्च स्तर तक वृद्धि का प्रावधान करने के संबंध में टेलिकॉम कार्य। **(2) कार्य की अनुमानित लागत:** ₹72,59,205/- **(3) जमा बयाना राशी:** ₹ 1,45,200/- **(4) ई-निविदा जमा कराने एवं ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 19.07.2024 को 15:00 बजे एवं दिनांक 19.07.2024 को 15:30 बजे निविदा खोली जाएगी। **(5) वेबसाईट का विवरण एवं नोटीस का स्थान जहाँ से विवरण देखे जा सकते है आदि:** http://www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर, द्वितीय तल, एनेक्ष बिल्डींग, म.रे.प्र. कार्यालय, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वड़ोदरा-390 004.

BRC-094

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज के बीच सुपरफास्ट विशेष ट्रेन चलाएगी

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
04126	बांद्रा टर्मिनस - सूबेदारगंज (साप्ताहिक)	02.07.2024 से 30.07.2024	11.00 बजे (मंगलवार)	17.00 बजे (अगले दिन)
04125	सूबेदारगंज -बांद्रा टर्मिनस (साप्ताहिक)	01.07.2024 से 29.07.2024	05:20 बजे. (सोमवार)	08:30 बजे. (अगले दिन)

ठहरावः बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सावल माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास, फतेहपुर सीकरी, आगरा फोर्ट, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी और फतेहपुर स्टेशन

संरचनाः 1-एसी , एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, पड़ाव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन नंबर 04126 की बुकिंग 30/06/2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उक्त ट्रेन स्पेशल के रूप में चलेगी

पश्चिम रेलवे

www.wr.indianrailways.gov.in

हमें यहां लाइक करें : facebook.com/WesternRly

हमें यहां फ़ॉलो करें : X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96